www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
26 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 33 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

800 फीट गहरी खाई में गिरी कार, 8 की मौत

● कर्नाटक में नदी में डूबने से 11 की जान गई

रायगढ़/भटकल (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकारी मिली।

इधर, कर्नाटक के भटकल में टट्टीहक्कल नदी में सीप इकट्ठा करते समय डूबने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई।

एक-दूसरे को बचाने में बह गए 11 लोग- कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल में एक ही परिवार के 11 लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 9 महिलाएं शामिल हैं। परिवार के 14 लोग तट्टीहक्कल कालिनट्टी स्ट्रीम में सीपियां (क्लैम्स) इकट्ठा करने गए थे। पुलिस के मुताबिक, शरदाहोले गांव का परिवार सीपियां इकट्ठा करने उस जगह गया था, जहां स्ट्रीम अरब सागर से मिलती है।

अमृतसर में कपिल शर्मा के घर पर फायरिंग का दावा

● डीवीआर जब्त करने के बाद पुलिस का इनकार, कनाडा में कैफे पर भी फायरिंग हो चुकी

अमृतसर (एजेंसी)। कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा के अमृतसर स्थित घर के बाहर सोमवार को फायरिंग का दावा किया गया है। पारिवारिक सदस्यों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक हमलावर बाइक पर आए थे। उन्होंने 2 राउंड फायरिंग की और फिर फरार हो गए। अभी तक हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है।

अमृतसर के पॉश इलाके हॉली सिटी में कपिल शर्मा का घर है। इसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को सील कर दिया। आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए। घर और आसपास के वीआईपी घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक किया। पुलिस ने डीवीआर को कब्जे में लिया है। हालांकि मौके पर पहुंचे एसपी कमलजीत सिंह औलख ने बताया कि अब तक की जांच में गोली चलने की कोई पुष्टि नहीं हुई है इस घर में कपिल के बहन और जीजा रहते हैं, जबकि कपिल शर्मा फिलहाल परिवार के साथ मुंबई में हैं। इससे पहले उनके कनाडा में स्थित कैफे पर 3 बार फायरिंग हुई थी।

कश्मीर-गुलमर्ग रोपवे अचानक रुका

हवा में 300 पर्यटक फंसे

● *इनमें बच्चे-बुजुर्ग भी थे, कई लोग घबराकर रोने लगे, सेना-पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू ऑपरेशन किया*

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर का प्रसिद्ध गुलमर्ग रोपवे (गुलमर्ग गोंडोला) सोमवार को बड़ी तकनीकी खराबी आ गई थी, इससे रोपवे की सभी केबिन बीच हवा में रुक गई। करीब 300 पर्यटक फंस गए थे। लोगों में अफरा-तफरी मच गई थी। कई पर्यटक घबराकर रोने लगे और नीचे उतारने के लिए चिल्लाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बच्चों और बुजुर्गों में सबसे ज्यादा डर का माहौल देखा गया। घटना की सूचना मिलते ही श्रीनगर से स्पेशल रेस्क्यू टीमें मौके पर भेजी सेना भी मौजूद थी। सेना, पुलिस और प्रशासन ने बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर सुरक्षित निकाल लिया।

सीएम बोले- पर्यटक सुरक्षित, एलजी ने हालात पर नजर रखी

घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सभी केबिन और उसमें फंसे पर्यटक सुरक्षित हैं। लोगों को बाहर निकालने के लिए प्रशिक्षित टीमें ऑपरेशन चलाया गया घबराने की कोई जरूरत नहीं है। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा- केबल कार के केबिनों में फंसे पर्यटकों के रेस्क्यू ऑपरेशन पर मैं नजर रख रहा था। मैंने डीजीपी को घटनास्थल पर जाने का निर्देश दिया है। पुलिस, सेना, एसडीआरएफ, डीसी और एसएसपी की जॉइंट टीम मौके पर मौजूद है।

गुलमर्ग रोपवे दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा केबल कार सिस्टम

गुलमर्ग रोपवे एशिया का सबसे ऊंचा और सबसे लंबा केबल कार प्रोजेक्ट है, और यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे ऊंचा केबल कार सिस्टम है। यह दो फेज में गुलमर्ग के आधार से कोंगदोरी और फिर अफरवत चोटी तक जाता है। यहां से बर्फीली चोटियों के शानदार नजारे दिखाई देते हैं। गुलमर्ग गोंडोला देश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में गिना जाता है और गर्मियों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। हालांकि, घटना के बाद सुरक्षा मानकों और रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से पूछा-

पिछली गलती से क्या सीखा, कोई सबक नहीं लिया, ये दुखद है...

नीट पेपर लीक पर केंद्र-सीबीआई से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- यह दुखद है कि एनटीए ने पहले हुए पेपर लीक मामले से कोई सबक नहीं लिया।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच सोमवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान उन्होंने कहा, यह मामला 2024 में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने कई सिफारिशें दीं, जिन्हें स्वीकार भी किया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनटीए गुरुवार तक हलफनामा दाखिल करे और बताए कि 2024 में दिए गए निर्देशों और मॉनिटरिंग कमेटी की सिफारिशों पर क्या कदम उठाए गए। साथ ही केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा है।

● **कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका, जल्द सुनवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट बोला- इतने भावुक न हों -** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद

सामने आया। सोमवार दोपहर 12 बजे तक सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2.29 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं।

कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने कहा कि सीजेपी, ज्यूडीशियरी की इमेज खराब कर रही है। इसके बाद सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा, 'इसे इतनी भावुकता से मत लें।' याचिका एडवोकेट राजा चौधरी ने दायर की है। उसने आंदोलन से जुड़े फर्जी अधिवक्ताओं और फर्जी कानून की डिग्रियों की जांच की भी मांग की है।

एक्ट्रेस ट्विशा केस

रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

● मप्र सरकार बोली- वे जांच में मदद नहीं कर रहीं, दिल्ली से सीबीआई टीम भोपाल रवाना

जबलपुर/भोपाल/दिल्ली (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है।

सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं। ट्विशा के पिता के वकील पीयूष सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया-अदालत ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब पेश करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

दोनों पक्ष बयानबाजी से बचें- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामले में खुद नोटिस लेते हुए सुनवाई की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मीडिया पीड़ित या दूसरे परिवार के बयानों के पीछे न भागे और मामले को कानून के मुताबिक आगे बढ़ने दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठने से वे दुखी हैं। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोप लगाया कि ट्विशा की सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह जांच में बाधा डाल रही हैं। दरअसल ट्विशा शर्मा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में फंदे से लटकी मिली थीं। ट्विशा की मौत को ससुराल पक्ष आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

पेट्रोल-डीजल के दाम इस महीने चौथी बार बढ़े

● पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने आज, 25 मई को पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

- **मालभाड़ा बढ़ेगा-** ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।
- **खेती की लागत-** ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।
- **बस-ऑटो का किराया-** सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

बेस प्राइस से तीन-चार गुना तक बढ़ जाती है कीमत- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियां 'डेली प्राइस रिवीजन' के तहत हर दिन सुबह 6 बजे नए रेट अपडेट करती हैं।

तबीयत बिगड़ने के बाद 9 दिन से पदयात्रा बंद, प्रेमानंदजी की अपील

● मैं रहूं न रहूं, हमेशा साथ रहूंगा, मेरी चिंता छोड़िए, श्रीजी का ध्यान लगाइए

मथुरा (एजेंसी)। 'बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।'

ये भावुक अपील वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज ने वीडियो जारी कर अपने शिष्यों और भक्तों से की। 1 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो केली कुंज आश्रम ट्रस्ट के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया।

17 मई यानी 9 दिन से प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा बंद है। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से

एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस होती है। प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा- देख लेना तुम वही करोगे, जो गुरुदेव कहेंगे। आप बिल्कुल निश्चिंत रहिएगा। जो जहां जिस सेवा में आए, उस सेवा में रहिएगा। खूब नाम जप करो। मंगल होगा। तुम्हारे गुरुदेव तुम्हारे दिमाग में बैठे रहेंगे। आप निर्भय, निश्चिंत, निशोक होकर भजन करो। हमारा जब मन होगा, तब हम बोल देंगे।

नौतपा शुरू, गर्मी-हीटवेव बढ़ी

● महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी 47.2 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म, मप्र-यूपी के 8 शहरों में पारा 45 डिग्री पार

नई दिल्ली/भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश में नौतपा की शुरुआत हो गई है। इसका मतलब है कि अगले 9 दिन और ज्यादा गर्मी रहेगी। हीटवेव और तापमान भी बढ़ेगा। तापमान 45 डिग्री से ज्यादा बना रह सकता है।

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र का ब्रह्मपुरी लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.6 डिग्री ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में बांदा 46.8 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म जिला रहा। इसके अलावा प्रयागराज और उरई में 45.6 डिग्री, झांसी में 45.6 डिग्री, आगरा में 45.4 डिग्री और हमीरपुर में 45.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मप्र के दो शहरों, नौगांव और खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान 45.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में 29 मई से मौसम बदल सकता है। बारिश की संभावना है।

हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलने की आशंक है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में उमस भरी गर्मी परेशान करेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, केरलम, लक्षद्वीप, तमिलनाडु समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं।

अगले दो दिन तेज गर्मी का अलर्ट

मैदानी जनपदों में हीट वेव जैसी स्थिति की संभावना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : भारत मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा सोमवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य के मैदानी जनपदों में 25 से 27 मई तक लू (हीट वेव) जैसी स्थिति की संभावना व्यक्त की गई है। विशेष रूप से हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर, देहरादून, पौड़ी, नैनीताल एवं चम्पावत जनपदों के कुछ स्थानों पर हीट वेव जैसी स्थिति बन सकती है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने पत्र जारी कर सभी जनपदों को सतर्क रहने एवं आवश्यक एहतियाती व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष को 24.7 सक्रिय रखने, स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर अस्पतालों में पर्याप्त दवाइयां, ओआरएस, बर्फ एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने तथा लू एवं शरीर में पानी की कमी से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त नगर निकायों को सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों एवं प्रमुख चैराहों पर पेयजल, प्याऊ एवं शीतल जल व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अस्थायी शेड एवं विश्राम स्थलों की व्यवस्था करने को कहा गया है। बिजली एवं पेयजल विभागों को निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने तथा पानी की कमी वाले क्षेत्रों में टैंकरों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं। श्रमिकों एवं बाहरी कार्यस्थलों पर कार्यरत कर्मियों के लिए कार्य समय को प्रातः एवं सायंकाल तक सीमित रखने की सलाह दी गई है।

ईरान बोला- अमेरिका की धमकियों से नहीं डरते

● उसकी गारंटी पर भरोसा नहीं, इजराइल बातचीत बिगाड़ने की कोशिश करेगा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि उनका देश अमेरिका की धमकियों की परवाह नहीं करता। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका किसी संभावित समझौते का पूरी तरह पालन करेगा।

बघाई ने कहा कि इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइली शासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह समझौता न हो सके। हमें उम्मीद है कि वह बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देश लगातार युद्ध और टकराव की बात कर रहे हैं, जिसका असर अमेरिकी अधिकारियों पर भी पड़ सकता है। बघाई के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में जो बदलाव देखने को मिले हैं, उनमें पाकिस्तान और कुछ दूसरे देशों की मध्यस्थता की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि फिलहाल किसी पाकिस्तानी अधिकारियों के तेहरान आने की कोई आधिकारिक योजना नहीं है।

अमेरिका-ईरान में समझौते पर दस्तखत नहीं- अमेरिका और ईरान के बीच समझौते पर दस्तखत नहीं हो सके। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रविवार को ही दोनों देश सीजफायर बढ़ाने और होर्मुज खोलने को लेकर समझौता कर सकते थे।

भू-कानून का उल्लंघन पाए जाने पर भूमि को राज्य सरकार में निहित किया जाए

उम्मीद पोर्टल पर दर्ज वक्फ संपत्तियों के ब्योरे की भी नियमित जांच हो - मुख्यमंत्री ने समस्त जिलाधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को निजी आवास, खटीमा से समस्त जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी जिला अधिकारियों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम सभाओं में स्थित सरकारी भूमि की भी जांच की जाए। मुख्यमंत्री ने संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखते हुए वेरिफिकेशन ड्राइव में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून से पहले आपदा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता एवं निगरानी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भू कानून का उल्लंघन कर खरीदी गई जमीनों की जांच भी की जाए। कहा कि इस अभियान में तेजी लाते हुए त्वरित सुनवाई की जाए एवं भू कानून का उल्लंघन पाए जाने पर भूमि को राज्य सरकार में निहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में स्थित शत्रु संपत्तियों पर हुए अवैध कब्जे को हटाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों का ब्योरा, उम्मीद पोर्टल पर दर्ज किए जाने की नियमित समीक्षा हो। साथ ही इस ब्योरे की भी नियमित जांच की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों से आए लोगों के शस्त्र लाइसेंस की जांच भी की जाए एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को चिन्हित किया जाए। जनसेवा केंद्रों की जांच एवं अवैध राशन कार्ड बनाकर सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रहे अपात्र लोगों को चिन्हित करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए। आगामी मानसून को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जनपदों को पूर्व तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने आंतरिक क्षेत्रों की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने, ग्रीष्मकालीन समय को देखते हुए पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी पानी की समस्या या तकनीकी दिक्कत हो, उसे तत्काल प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

सीईओ ने किया स्कूलों का निरीक्षण, छात्र–छात्राओं से किया संवाद

चमोली। चमोली के सीईओ मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने विकासखंड के कपीरी क्षेत्र के स्कूलों का निरीक्षण किया। राजकीय इंटर कॉलेज कनखुल में सीईओ सारस्वत प्रार्थना सभा से पहले ही विद्यालय परिसर में पहुंच गए और छात्र–छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं को लगन से पढ़ाई करने की बात कही। साथ ही नशे से दूर रहने की बात कही। शिक्षकों की बैठक लेते हुए सीईओ ने कहा कि शिक्षक समाज निर्माणकर्ता हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी शिक्षक की है। शैक्षणिक कार्यों का ही नहीं बल्कि शिक्षक के आचार व्यवहार का प्रभाव भी समाज पर पड़ता है। इस दौरान सीईओ ने प्राथमिक विद्यालय ग्वाड़, जूनियर हाईस्कूल ग्वाड़, जीआईसी नैनीसैंण और प्रावि नैनीसैंण का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी विनोद मटूड़ा, जीआईसी कनखुल के प्रधानाचार्य सुबोध कुंवर एवं नैनीसैंण के डॉ. जगदीश कंडवाल, तेजेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद थे।

ढोल नगाड़ों के साथ निकाला जुलूस, अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

चमोली। जीआईसी चौनघाट में विज्ञान विषय शुरू करवाने की मांग के लिए तीन गांव के ग्रामीणों ने ढोल दमाऊं के साथ नंदानगर में जुलूस निकाला। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विज्ञान विषय की पढ़ाई के लिए कई छात्रों को 10 से 15 किमी दूर अन्यत्र जाना पड़ता है जबकि कई छात्र विज्ञान की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं।

विकासखंड नंदानगर के दूरस्थ क्षेत्र रामणी, घूनी और पडेरगांव के ग्रामीण राजकीय इंटर कॉलेज चौनघाट (घूनी) में लंबे समय से विज्ञान वर्ग शुरू करवाने की मांग कर रहे हैं। विद्यालय में वर्तमान में 335 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं लेकिन जो छात्र–छात्राएं विज्ञान की पढ़ाई करना चाहते हैं उन्हें दूसरे विद्यालय में जाना पड़ता है। इसके लिए उन्हें 10 से 15 किमी दूर स्थित अन्य विद्यालयों में जाना पड़ता है। ऐसे में अधिकांश छात्र–छात्राएं विज्ञान की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। इससे गुस्साए तीनों गांवों के ग्रामीण सोमवार को बड़ी संख्या में नंदानगर पहुंचे। सुतोल मोटर मार्ग पर एकत्रित होकर ग्रामीणों ने ढोल दमाऊं के साथ जुलूस निकाला। ग्रामीण खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे लेकिन वहां कोई अधिकारी नहीं मिले तो वे कुरुड़ पुल से लक्ष्मी मार्केट होते हुए तहसील पहुंचे। ग्रामीणों ने यहां अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया और तहसीलदार आरके देवली के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

संक्षिप्त समाचार

20 लाख की लागत से बनेंगे प्रवेश और स्वागत द्वार

चमोली। नगर पंचायत की सीमा पर करीब बीस लाख रुपये की लागत से दो प्रवेश और स्वागत द्वार पंचायत प्रशासन तैयार कर रहा है। जून माह के अंत तक यह बनकर तैयार हो जाएगा।गैरसैंण जहां प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी है वहीं राज्य आंदोलन की भावनाओं में बसे गैरसैंण में प्रदेश के लोगों का भी खास लगाव है। ऐसे में गैरसैंण नगर में पर्यटकों को आकर्षित करने की पहल पंचायत कर रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी ने बताया कि जून माह के अंत में दोनों द्वार का लोकार्पण किया जाएगा। ये द्वार आगंतुकों का स्वागत करेंगे और नगर की स्वच्छता में सहयोग का संदेश भी देंगे। पहला द्वार कुनेली लगा सलियाणा में सात मीटर ऊंचा और दस मीटर चौड़ा होगा। दूसरा सैंजी में ब्यास गाड़ के पास नौ मीटर चौड़ा व सात मीटर ऊंचा बनाया जा रहा है।

पर्यटकों की गंदगी से प्रकृति को पहुंच रहा नुकसान

रुद्रप्रयाग। चोपता–तल्लानागपुर क्षेत्र के खड़पतिया के समीप के जंगल इन दिनों पहाड़ी फल काफल और हिसोल से लदे हुए हैं। कार्तिक स्वामी जाने का मुख्य मार्ग होने के कारण यहां रुककर यात्री और पर्यटक इन प्राकृतिक फलों का आनंद ले रहे हैं। मगर मानवीय गतिविधियों और बाहरी क्षेत्रों से आने वाले अराजक तत्वों के कारण इस प्राकृतिक सौंदर्य को नुकसान पहुंच रहा है। क्षेत्र के जंगलों और ढलानों में शराब की खाली बोतलें, पॉलिथीन और प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है जिससे न सिर्फ प्रदूषण बढ़ रहा है बल्कि वन का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में चोपता क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य सम्पन्न नेगी ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व क्षेत्र की सुंदरता को बिगाड़ रहे हैं।

साइबर क्राइम, पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी

रुद्रप्रयाग। बाल विकास विभाग के माध्यम से राजकीय इंटर कॉलेज परकंडी में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक ने छात्र–छात्राओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, साइबर ऋइम, पॉक्सो एक्ट व विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। बाल कल्याण समिति की सदस्य गीता मलासी व ममता शैली ने बाल कल्याण समिति से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समिति बच्चों की किसी भी तरह की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक सुरेंद्र सिंह ने हेल्पलाइन नंबर 1098 व कार्यों के बारे में छात्र–छात्राओं को जानकारी दी।

खोया बैग लौटाने पर नकद धनराशि देकर सम्मानित किया

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा पर आए इंदौर (मध्य प्रदेश) के पंडित संतोष उपाध्याय का रुपयों से भरा खोया बैग स्थानीय युवाओं की ईमानदारी के कारण सकुशल मिल गया है। बैग मिलने पर उन्होंने युवाओं को पुरस्कृत भी किया। पंडित संतोष उपाध्याय श्रद्धालुओं को केदारनाथ भेजने के बाद कालीमठ घाटी के दर्शन करने गए थे। रविवार को कोटमा–खोनू के बीच वाहन में बैठते समय रुपयों से भरा बैग वहीं गिर गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब बैग नहीं मिला तो उन्होंने कोटमा निवासी संदीप भट्ट को इसकी जानकारी दी। संदीप भट्ट की खोज में पता चला कि रास्ते से गुजर रहे रोहित और प्रमोद को वह बैग मिला था।

रोहित ने वह बैग संदीप भट्ट के पास पहुंचाया और सोमवार को गुप्तकाशी आकर बैग संतोष उपाध्याय को सौंप दिया गया। रुपयों से भरा बैग सुरक्षित मिलने पर संतोष उपाध्याय ने संदीप भट्ट और रोहित की ईमानदारी की सराहना की और दोनों को 10–10 हजार रुपये देकर सम्मानित किया।

अलकनंदा नदी में गिरा वाहन, चालक की तलाश जारी

रुद्रप्रयाग। गौचर से बिजराकोट लौट रहा एक वाहन चमसिल क्षेत्र के सारी बैंसोड़ के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में गिर गया। वाहन में चालक अकेला सवार था। हादसे के बाद से वाहन चालक राकेश सिंह निवासी बिजराकोट लापता है। सोमवार को मौके पर घोलतीर पुलिस, एसडीआरएफ, जल पुलिस और डीडीआरएफ की टीमें खोज एवं बचाव के लिए पहुंचीं लेकिन वाहन और चालक दोनों का पता नहीं चल पाया।बिजराकोट के पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य कुलदीप सिंह ने बताया कि रविवार रात को गौचर पुलिस व एसडीआरएफ मौके पर पहुंची थी लेकिन अंधेरा अधिक होने के कारण चालक का पता नहीं चल पाया। सोमवार सुबह फिर से रुद्रप्रयाग संयुक्त टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया मगर चालक का पता नहीं चल पाया। दोपहर बाद सर्च अभियान बंद किया गया।

विश्व शांति के लिए निकली जगदीशिला डोली यात्रा संपन्न

नई टिहरी। बाबा विश्वनाथ जगदीशिला की 27वीं डोली रथयात्रा पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी की अगुवाई में पारंपरिक विधि विधान से संपन्न हो गई। डोली यात्रा हरकीपैड़ी से उत्तराखंड के 13 जिलों का भ्रमण करने के बाद विसोन पर्वत पर गंगा दशहरा पर्व पर स्नान करने के बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और विकास गोष्ठी के साथ संपन्न हो गई। यात्रा के संयोजक पूर्व मंत्री नैथानी ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य विश्व में शांति की स्थापना, देव संस्कृति की रक्षा, पलायन रोकना और लोक परंपराओं को जीवंत रखना है।

विधायक के आश्वासन पर माने प्रभावित, धरना स्थगित

चमोली। मुआवजे की मांग के लिए धरने पर बैठे प्रभावितों ने विधायक के आश्वासन पर धरना स्थगित कर दिया। विधायक ने कहा कि जल्द प्रभावित परिवारों के एक प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से भेंट कराई जाएगी ताकि जल्द प्रभावितों की मुआवजे की मांग पूरी हो सके। प्रभावितों ने कहा कि एक सप्ताह में ट्रीटमेंट कार्य शुरू होगा लेकिन मुआवजे की कार्रवाई जल्द नहीं हुई तो फिर आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को सुबह 10 बजे विधायक अनिल नौटियाल और उपजिलाधिकारी अलकेश नौडियाल मंडी परिसर में धरना दे रहे प्रभावित लोगों को बीच पहुंचे। विधायक अनिल नौटियाल ने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों को लेकर गंभीर है लेकिन पहले ट्रीटमेंट कार्य भी जरूरी है ताकि भविष्य में कोई हादसा न हो। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की ओर से बनाए गए सहमतिपत्र को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से भी वार्ता करवाई जाएगी जिससे जल्द प्रभावितों की मुआवजे की मांग पूरी हो सके। सभासद कमला रतूड़ी ने बताया कि विधायक के आश्वासन पर धरना स्थगित किया जा रहा है। यदि मुआवजे की मांग समाप्त होती है। तो ट्रीटमेंट का कार्य शुरू होने दिया जाएगा। प्रभावित सुधीर नेगी ने कहा कि बहुगुणा नगर की भांति सुभाषनगर में भी ट्रीटमेंट का कार्य शुरू किया जाना चाहिए। इस मौके पर पुष्कर रावत, सभासद रीना रावत, पदिमा दानू, गणेशी देवी, पूर्व सभासद हरेंद्र सिंह बिष्ट, गीता रावत, पूजा रावत, संजय नौटियाल, मनवर, मो आसिन आदि मौजूद रहे।

गढ़वाली एलबम वींका का बाना का विमोचन

रुद्रप्रयाग। पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज के वीरचंद्र सिंह गढ़वाली भवन में संगीत शिक्षक मनोज थापा की गढ़वाली एलबम वींका का बाना का विमोचन किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने एलबम का लोकार्पण किया। शिक्षक मनोज थापा ने चार माह के कठिन परिश्रम के बाद इस एलबम को तैयार किया है। मूल रूप से कौसानी निवासी मनोज थापा ने गढ़वाली भाषा में एलबम तैयार कर क्षेत्रीय संस्कृति के प्रति अपने जुड़ाव को दर्शाया है। कार्यक्रम में कल्प संस्था के संस्थापक ओमप्रकाश सेमवाल, प्रधानाचार्य जीआईसी मालतोली, गढ़कवि जगदंबा चमोला, श्यामलाल सुन्दियाल, किशन सिंह रावत, संपादक विनोद भट्ट, शैलेंद्र राणा और सुनीता थापा आदि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई जाईका वित्तपोषित परियोजना की बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में जाईका (खकउअ) वित्तपोषित उत्तराखण्ड एकीकृत बागवानी विकास परियोजना से सम्बन्धित उच्च अधिकार प्राप्त समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रदेश के लिए संपूर्ण बागवानी योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उन्नत बागवानी की अपार संभावनाएं हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए योजनाएँ तैयार की जाएँ। मुख्य सचिव ने प्रदेश में कुल बागवानी क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में कार्य किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बागवानी क्षेत्र बढ़ाने के लिए किसानों को हैंड होल्डिंग, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक से अधिक ग्राफ्टिंग तकनीक का प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है, ताकि उत्पादन बढ़ाया जा सके। मुख्य सचिव ने उत्पादन बढ़ाये जाने के लिए क्लस्टर एप्रोच अपनाये जाने की बात कही। कहा कि उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दिशा सप्लाई चैन विकसित करने और कोल्ड स्टोरेज व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने बागवानी उत्पादन को बढ़ाये जाने के लिए उन्नत किस्में और क्षेत्र विस्तार पर फोकस किए जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि योजनाओं में डुप्लीकेसी ना हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी हुए पद्मभूषण से सम्मानित

देहरादून। सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को लोक कार्य के लिए पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित हुए नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2026 के लिए पद्म पुरस्कार प्रदान किए। इस समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्र सरकार के कई अन्य मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। पहले नागरिक अलंकरण समारोह में भारत की राष्ट्रपति ने 66 पद्म पुरस्कार प्रदान किए। जिनमें 02 पद्म विभूषण, 06 पद्म भूषण और 58 पद्म शामिल हैं।

पद्म पुरस्कार–जो देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक हैं–तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैंः पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री। ये पुरस्कार विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में दिए जाते हैं, जैसे–कला, समाज सेवा, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा, आदि। 'पद्म विभूषण' असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए 'पद्म भूषण' उच्च ऋम की विशिष्ट सेवा के लिए और 'पद्म श्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। वर्ष 2026 के लिए, राष्ट्रपति ने 131 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है। जिनमें 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म पुरस्कार शामिल हैं। शेष पुरस्कार विजेताओं को बाद में आयोजित होने वाले समारोह के दूसरे दौर में सम्मानित किया जाएगा। भगत सिंह कोश्यारी जिन्हें उत्तराखंड में 'भगत दा' के नाम से जाना जाता है। कोश्यारी एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, पत्रकार और समर्पित राष्ट्रवादी नेता हैं। जिन्होंने अपना जीवन जन सेवा और समाज के गरीब और पिछडे वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया है। वह आरएसएस के एक निष्ठावान स्वयंसेवक हैं और अपनी सादगी, अनुशासन और सीखने के प्रति गहरे प्रेम के लिए जाने जाते हैं। 17 जून, 1942 को उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के पहाड़ी इलाके के सुदूर गांव पलानधुरा में जन्मे कोश्यारी ने अपनी ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त की और 1964 में आगरा विश्वविद्यालय से संबद्ध अल्मोड़ा कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी की। उन्होंने 1964–1965 के दौरान राजा का रामपुर (एटा, उत्तर प्रदेश) में व्याख्याता के रूप में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। हालांकि शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से प्रेरित होकर, उन्होंने 1965 के बाद से स्वयं को पूरी तरह से शैक्षणिक और समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

गंगा दशहरा पर्व पर सुरकंडा मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नई टिहरी। गंगा दशहरा पर सिद्धपीठ मां सुरकंडा मंदिर में श्रद्धालुओं की खूब भीड़ उमड़ी। जिससे माता के दर्शनों के लिए देर शाम तक श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही। मंदिर परिसर में देवी सुरकंडा की विशेष पूजा–अर्चना की गई। गंगा दशहरा पर्व पर सुरकंडा मंदिर में देवी के दर्शनों के लिए टिहरी जिले के साथ अन्य जगहों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के द्वार खुलते ही मां सुरकंडा के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। पंडित रमेश लेखवार ने बताया कि दिनभर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। मां सुरकंडा के मुख्य द्वार कद्दूखाल बाजार में आयोजित मेले में लोगों ने खूब खरीदारी की। गंगा दशहरा पर्व की पूर्व संध्या पर नमस्कार देवभूमि सेवा संघ नई दिल्ली की ओर से कद्दूखाल स्थित लोनिवि विश्रामगृह में भजन और जागर के साथ देवी की स्तुति की गई। लोकगायक मुकेश और उनकी टीम ने भजनों की प्रस्तुति दी। सेवा संघ के परिपूर्णानंद गैरोला ने बताया कि देवी को भोग लगाने के बाद भंडारा और रात को देवी मां का जागरण किया गया। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष जितेंद्र नेगी, सचिव कमल सिंह जड़धारी, सोहन लाल लेखवार, जीत सिंह जड़धारी, भरत सिंह जड़धारी, उम्मेद सिंह नेगी, रमेश प्रसाद आदि मौजूद रहे।

ईसीटी मशीन पर स्वास्थ्य विभाग की लेटलतीफी पड़ रही भारी

नई टिहर। जिला अस्पताल बौराड़ी में मानसिक रोगियों के उपचार के लिए उपलब्ध कराई गई ईसीटी (इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी) मशीन का संचालन शुरू नहीं हो पाया। स्वास्थ्य विभाग की लेटलतीफी से लोगों में आक्रोश है। स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन और ओएनजीसी ने सीएसआर मद से स्वास्थ्य विभाग को बीते 12 मई को ईसीटी मशीन उपलब्ध कराई गई थी। जिला अस्पताल बौराड़ी में मशीन पहुंचने के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि मानसिक रोगों से जूझ रहे मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिलने लगेगी लेकिन मशीन फिट नहीं किए जाने से इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है।ईसीटी मशीन के संचालन के लिए जिला अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में विशेष टेबल की आवश्यकता है।

आग में जल रहे अगस्त्यमुनि के जंगल

रुद्रप्रयाग। वन विभाग कार्यालय के आसपास स्थित जंगलों व नाकोट और धान्यू गांव के वन क्षेत्रों के जंगल आग में जल रहे हैं। तेज हवाओं के कारण देखते ही देखते आग की लपटें वन विभाग परिसर तक पहुंच गईं। बाद में आग ऑल वेदर रोड के पास के जंगलों तक पहुंच गई। वहीं वन क्षेत्राधिकारी एचएस रावत ने बताया कि तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलते हुए वन विभाग कार्यालय परिसर तक पहुंच गई। आग बुझाने के लिए टीम लगातार प्रयासरत है। वहीं आग से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे है जिससे गुलदार, जंगली बिल्लियां आबादी की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जंगलों में आग न लगाए। छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। आंखों में हो रही जलनः अगस्त्यमुनि। आग से उठता धुआं पूरे क्षेत्र में फैल गया है जिससे स्थानीय लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

जोगीधारा में लगा जाम, एनएम व आशा ने एंबुलेंस में कराया प्रसव

ज्योतिर्मठ। प्रसव पीड़िता को लेकर आ रही एक एंबुलेंस बदरीनाथ हाईवे के जाम में फंस गई। एएनएम व आशा ने एंबुलेंस में ही महिला का प्रसव कराया। सोमवार को दोपहर में पल्ला गांव की उमा देवी (22) को प्रसव पीड़ा हुई। उसे 108 एंबुलेंस से ज्योतिर्मठ स्वास्थ्य केंद्र लाया जा रहा था लेकिन बदरीनाथ हाईवे पर लगे जाम में जोगीधारा के पास एंबुलेंस फंस गई। महिला को प्रसव पीड़ा अधिक होने पर वाहन में आ रही एएनएम और आशा ने एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव करवाया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योतिर्मठ के प्रभारी डॉ. गौतम भारद्वाज ने बताया कि जाम खुलने पर जच्चा–बच्चा को अस्पताल लाया गया। दोनों स्वस्थ हैं। उन्हें भर्ती किया गया है। दो दिन पहले भी ज्योतिर्मठ कोतवाली के समीप जाम में वाहन फंस गया था। वहां अस्पताल से नर्सों ने पहुंचकर वाहन में ही प्रसव करवाया था।

स्कूलों में पहुंच रही अल्मोड़ा पुलिस, साइबर अपराध और नशे के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा। जनजागरूकता अभियान के तहत अल्मोड़ा पुलिस द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में जिलेभर में महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और सामाजिक जागरूकता को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी ऋम में सोमवार को महिला कोतवाली प्रभारी जानकी भंडारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अल्मोड़ा इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं को जागरूक किया। वहीं थाना सल्ट पुलिस ने राजकीय इंटर कॉलेज पेशिया सल्ट में विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ के साथ जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, ओटीपी और बैंक डिटेल साझा करने के खतरे, सोशल मीडिया हैकिंग, संदिग्ध लिंक और फर्जी लोन व इनाम के झांसे जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी या बैंकिंग जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध साइबर घटना की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। पुलिस टीम ने छात्र–छात्राओं और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया।

एक नजर

चौबट्टाखाल विस में हुए अभूतपूर्व विकास कार्य : महाराज

कोटद्वार। ब्लॉक मुख्यालय बीरोंखाल में सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया। बहुउद्देशीय शिविर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। स्वास्थ्य शिविर में 165 मरीजों की जांच की गई और 30 दिव्यांगजनों को प्रमाणपत्र मिले। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकास कार्यों की सराहना की। कहा कि बेदीखाल–जोगीमढ़ी और रसिया महादेव पेयजल योजनाओं को 41 करोड़ 57 लाख 36 हजार रुपये मिले। इनसे 75 गांवों को लाभ होगा और 80 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है।

जल जीवन मिशन के तहत 21 करोड़ 68 लाख 10 हजार रुपये की 50 योजनाएं स्वीकृत हुईं। जल संस्थान ने 18 करोड़ 75 लाख रुपये की 42 योजनाओं को मंजूरी दी। लोक निर्माण विभाग ने 53 किलोमीटर के 15 मोटर मार्गों को स्वीकृति दी। ग्राम्य विकास विभाग ने 22 करोड़ 40 लाख रुपये से चार मोटर मार्गों का निर्माण किया। इसके अतिरिक्त 18 किलोमीटर लंबाई के चार अन्य मोटर मार्गों के डामरीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है।इस अवसर पर पूर्व मंत्री अमृता रावत, जिला पंचायत सदस्य अनूप पटवाल, रजनी रावत, शांति देवी, ब्लॉक प्रमुख नेहा नेगी, समाज कल्याण अनुश्रवण समिति सदस्य प्रेम सिंह नेगी, बदरी–केदार मंदिर समिति की सदस्य नीलम पुरी मौजूद रहे। लोकगायक सौरभ, पूनम और महिमा के गीतों पर झूमे दर्शकः सांस्कृतिक संध्या में लोक गायिका पूनम सती, महिमा उनियाल और लोक गायक सौरभ मैठाणी ने प्रस्तुति दी। देव त्रिएशन ग्रुप, श्यामलाल और सोनिया की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। ब्रह्म कमल सांस्कृतिक दल ने चक्रव्यूह महाभारत (अभिमन्यु लीला) प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर किया।

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूडी को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डू समथिंग सोसाइटी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूडी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कहा कि समाज सेवा के लिए दिए गए खंडूडी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवन और विकास कार्यों को याद करते हुए उन्हें एक सशक्त एवं जनहितैषी नेता बताया। सभा में उपस्थित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भुवन चंद्र खंडूडी को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग उठाई। इस प्रस्ताव का डू समथिंग सोसाइटी ने समर्थन करते हुए निर्णय लिया कि इस संबंध में राज्य एवं केंद्र सरकार को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस अवसर पर प्रकाश चंद्र कोठारी, शूरबीर खेतवाल, राजेंद्र प्रसाद पंत, अनिल वर्मा, दीपराम डुकलान, मनवर लाल भारती, हरि सिंह पुंडीर आदि मौजूद थे।

जानकीचट्टी में एसपी ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ रही भीड़ के बीच उत्तरकाशी पुलिस ने यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर ग्राउंड स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने बीते शनिवार और रविवार को यमुनोत्री धाम के अंतिम पड़ाव जानकीचट्टी में कैंप कर सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एसपी कमलेश ने मानसून सीजन को देखते हुए पाली गाड़ से जानकीचट्टी तक संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर जरूरत पड़ने पर वन–वे यातायात व्यवस्था लागू करने को कहा। साथ ही विभिन्न होल्डिंग एरिया में यात्रियों को नियंत्रित रूप से रोकने के निर्देश भी जारी किए गए। एसपी ने बिरला तिराहा, राम मंदिर, नौ कैंची सहित यमुनोत्री पैदल मार्ग के संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पैदल मार्ग पर घोड़ा–खच्चर और डंडी–कंडी संचालन को नियंत्रित रखने और भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

सड़क के लिए सड़क पर उतरे ग्रामीण

उत्तरकाशी। ग्राम पंचायत उपराड़ी, साड़ा और चक्रगांव को जोड़ने वाले बदहाल मोटर मार्ग के सुधारीकरण की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय बड़कोट पहुंचकर जुलूस निकाला और जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद एसडीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजकर सड़क को जल्द दुरुस्त कराने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि बड़कोट–चक्रगांव–उपराड़ी–साड़ा मोटर मार्ग लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ा है। करीब पांच किलोमीटर लंबी इस सड़क पर जगह–जगह बड़े गड्ढे बने हुए हैं जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नालियों के बंद होने से सड़क की स्थिति और भी खराब होती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस बदहाल सड़क पर दुपहिया वाहन चालक कई बार चोटिल हो चुके हैं।

यात्रा पर वाहन, पहाड़ी रूट पर बेपटरी व्यवस्था

जीएमओयू की बसें यात्रा रूट पर जाने से बिगड़ी व्यवस्थाएं

पहाड़ी रूट पर समय से वाहन नहीं मिलने के कारण जन परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जीएमओयू को पहाड़ की रीढ़ कहा जाता है। दूर-दराज गांव तक जीएमओयू की बसें ही आवागमन का एक बेहतर साधन है। लेकिन, इन दिनों अधिकांश बसों के चारधाम रूट पर चले जाने से पहाड़ी की व्यवस्था बिगड़ने लगी है। पहाड़ी रूट पर आवागमन के लिए ग्रामीणों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। यही नहीं कई रूटों पर ग्रामीण निजी वाहन बुक कर आवागमन को मजबूर हो रहे हैं।

वर्तमान में चारधाम यात्रा का संचालन हो रहा है। ऐसे में कोटद्वार जीएमओयू में शामिल 44 बसों में से 24 बसें यात्रा रूट पर गई हुई हैं। यात्रा रूट पर गई अधिकांश बसें रिखणीखाल, यमकेश्वर सहित अन्य पहाड़ी रूट पर संचालित होती थी। ऐसे में बसों की कमी के कारण इन रूटों पर यात्रियों की समस्या बढ़ने लगी है।

मजबूरी में ग्रामीण अधिक पैसे देकर निजी वाहनों से आवागमन कर रहे हैं। जिसका असर उनकी जेब पर पड़ रहा है। बस अड्डे में वाहन का इंतजार कर रहे श्याम सिंह ने बताया कि वह सुबह करीब पांच बजे दिल्ली से गांव जाने के लिए कोटद्वार पहुंच गए थे। लेकिन, दस बजे तक भी उन्हें अपने गांव के लिए वाहन नहीं मिल पाया है। मैक्स व अन्य सार्वजनिक वाहनों में पहले से ही सीट बुक हुई है। बताया कि उनका गांव रिखणीखाल से काफी दूर हैं। ऐसे में अब उन्हें वाहन बुक कर आवागमन करना पड़ेगा।

कोटद्वार के बस अड्डे में वाहनों का इंतजार करते यात्री

छोटे रूट पर बढ़ी परेशानी

मैक्स व अन्य वाहन चालक इन दिनों मौके का खूब लाभ उठा रहे हैं। हालत यह है कि कई मैक्स वाहन चालक कोटद्वार से केवल लंबे रूट की ही सवारी बिठा रहे हैं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी आमसौड़, दुगड्डा, गुमखाल सहित अन्य रूटों पर जाने वाले यात्रियों को हो रही है। यही नहीं छोटे रूटों का किराया भी अधिक वसूला जा रहा है।

चैक बाउंस में तीन माह का कारावास

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा तिवारी की अदालत ने चेक बाउंस के मामले में महिला को तीन माह का कारावास व एक लाख 75 हजार रूपये का आर्थिक दंड दिया है। अर्थदंड अदा न करने पर अभियुक्त को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

परिवादिनी ध्रुवपुर निवासी रितू नेगी की ओर से एक अगस्त 2023 को न्यायालय में शिकायत की गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि अभियुक्त ने उनसे धनराशि उधार ली थी। लेकिन, धनराशि वापस नहीं लौटा रही थी। जिसके बाद उन्होनें लगातार धनराशि वापस मांगने का प्रयास किया। जिसके बाद अभियुक्त की ओर से भारतीय स्टेट बैंक शाखा देवी रोड का एक चैक उन्हें दिया गया। बताया कि चैक को बैंक में भुगतान के लिए लगाते ही वह अपर्याप्त धनराशि नहीं होने के कारण अनादृत हो गया। जिसके बाद उन्होंने अपने अधिवक्ता प्रवेश रावत व अविरल पंत की ओर से अभियुक्त पर नोटिस जारी किया। अधिवक्ता प्रदेश रावत व अविरल पंत ने बताया कि न्यायालय ने अभियुक्त गंगोत्री देवी को तीन माह के साधारण कारावास व एक लाख 75 हजार रुपये के आर्थिक दंड की सजा दी है। जिसमें से पांच हजार रुपये राज्य सरकार के खाते में जाम किए जाएंगे।

बहुद्देशीय शिविर में लोगों को दी योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत हल्दुखाता मल्ला में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) एवं धरती आबा जनजातीय ग्रामीण अभियान के अंतर्गत बहुद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं महिला छात्रावास अधीक्षक पंकज देवली ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए शिविर में 22 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं विद्युत विभाग को छः नए बिजली कनेक्शन के आवेदन प्राप्त हुए। जिला उद्योग केंद्र कोटद्वार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत छः आवेदन प्राप्त हुए, जिससे युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। बाल विकास विभाग ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत कनिका, पूर्वी, गीतांजली और दीप्ती को नेम प्लेट वितरित कर बालिका शिक्षा और सम्मान का संदेश दिया। कृषि विभाग द्वारा 14 किसानों को उन्नत बीज एवं उर्वरक वितरित किए गए, जबकि आधार सेवाओं के तहत आठ नए आधार कार्ड बनाए गए और 20 आधार कार्ड अपडेट किए गए। इस अवसर पर हिमालयन बोक्सा जनजाति समिति कोटद्वार की अध्यक्ष दीपा देवी, हल्दुखाता के पार्षद राजेंद्र प्रसाद बहुखंडी, जसोधरपुर के पार्षद मनीष नैथानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिविर के माध्यम से जनजातीय समुदाय को सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

गर्मी बढ़ते ही बढ़ी नारियल पानी और जूस की डिमांड

श्रीनगर गढ़वाल : इन दिनों पड़ रही चिलचिलाती गर्मी का असर लोगों की दिनचर्या पर दिखाई दे रहा है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अब ठंडे पेय पदार्थों खासकर नारियल पानी और जूस की ओर ज्यादा रुख कर रहे हैं। ऐसे में अब नारियल पानी और जूस के दाम भी बढ़ गए हैं।

स्थानीय निवासी गजेंद्र दत्त मैठाणी ने कहा कि पहले जहां 70 रुपये में नारियल पानी मिल जाता था अब 90 रुपये देने पड़ रहे हैं। गढ़वाल विवि गेट और पौड़ी चुंगी क्षेत्र में जूस और गन्ने का जूस बेचने वाले दुकानदार भी ग्राहकों की बढ़ती संख्या से खुश हैं। जूस विक्रेता विनोद ने बताया कि गर्मी बढ़ते ही कारोबार तेज हो जाता है। इस बार यात्रा सीजन का भी फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि दुकानदारों ने अपने स्तर पर ज्यादा रेट नहीं बढ़ाए हैं लेकिन मंडी में सामान महंगा मिलने का असर जरूर पड़ रहा है। (एजेंसी)

ईद को लेकर कोटद्वार में पुलिस अलर्ट, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

कोटद्वार कोतवाली में बैठक लेते उपजिलाधिकारी व पुलिस अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आगामी ईद पर्व को देखते हुए कोटद्वार पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शहर में शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है।

कोतवाली कोटद्वार में उपजिलाधिकारी संदीप कुमार और पुलिस क्षेत्राधिकारी अस्मिता ममंगाई की मौजूदगी में जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने अपील की कि ईद का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया जाए। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार सामाजिक एकता का प्रतीक होते हैं, इसलिए सभी लोग मिलकर शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखें और किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहें। साथ ही लोगों से सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने और किसी भी संदिग्ध जानकारी की तुरंत पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि ईद पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

भारत विकास परिषद ने बांटा बुरांश का शरबत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद शाखा कोटद्वार द्वारा बढ़ती गर्मी को देखते हुए बस स्टेशन परिसर में जल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 5850 राहगीरों को बुरांश जूस का शरबत वितरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को जल पिलाना पुण्य का कार्य है तथा परिषद हर वर्ष इस प्रकार के सेवा कार्य आयोजित करती है।

उन्होंने बताया कि भारत विकास परिषद सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहती है। परिषद द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता, समूह गान प्रतियोगिता, बाल संस्कार शिविर, विकलांग शिविर, सरल कन्या विवाह तथा महापुरुषों की जयंती पर विभिन्न गोष्ठियों का आयोजन भी किया जाता है। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र जखमोला रहे। इस अवसर पर प्रदीप अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राकेश मित्तल, बीना मित्तल, राकेश ऐरन, सुनीता ऐरन, विष्णु अग्रवाल, मीनाक्षी शर्मा, राधेश्याम शर्मा, सुनील गुप्ता, निधि गुप्ता, सुभाष नैथानी, पूनम नैथानी, शीला कुकरेती, दीपक कपटियाल, सीमा अग्रवाल, कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, गोपाल बंसल, रीता जखमोला, महेश गोयल, मंजू बड़थ्वाल, अनूप बड़थ्वाल, सेवक राम मानुजा और राकेश वर्मा सहित परिषद के कई सदस्य उपस्थित रहे।

राहगीरों को जूस पिलाते सदस्य

पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ने पर जताया रोष

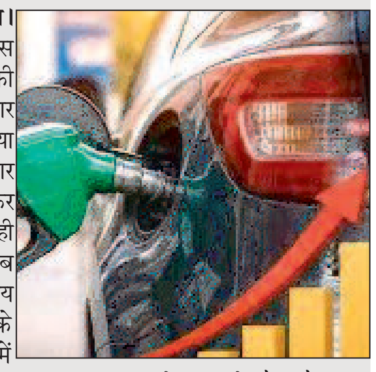

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखण्ड विकास पार्टी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार चौथी बार हुई बढ़ोत्तरी का विरोध किया है। कहा कि सरकार लगातार तेल के दामों को बढ़ाकर आमजन को परेशान कर रही है। पार्टी के अध्यक्ष मुजीब नैथानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में सुधार के बावजूद तेल की कीमतों में वृद्धि करना आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा है। कहा कि वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर लागू है। साथ ही ईरान द्वारा जहाजों की आवाजाही पर लगी रोक भी हटा दी गई है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल आपूर्ति को लेकर स्थिति सामान्य हो रही है, फिर भी केंद्र सरकार लगातार तेल की कीमतों में इजाफा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सरकार आपदा में अवसर तलाशने का काम कर रही है। कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 95 से 100 डॉलर प्रति बैरल के बीच है, तब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं बनता।

पेयजल संकट के विरोध में जनता ने किया आंदोलन का ऐलान

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के हिंसरियाखाल पट्टी और पाटाखाल पट्टी के गांवों में पिछले लंबे समय से चल रहे पेयजल संकट के विरोध में जनता ने आंदोलन का ऐलान किया है। लोगों ने कहा कि जलापूर्ति न होने से उन्हें हैंडपंपों व अन्य जल स्त्रोतों की दौड़ लगानी पड़ रही है जबकि हर घर नल, हर घर जल योजना शोपीस बनी है।

हिंसरियाखाल पट्टी युवा संघ से जुड़े लोगों ने जल निगम एवं जल संस्थान पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आरपार की लड़ाई की चेतावनी दी है। कहा कि 26 मई को हिंसरियाखाल बाजार स्थित जगदीश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जबकि शाम छः बजे मशाल जुलूस निकाला जाएगा। युवा संघ के नरेश उमरियाल ने लक्ष्मोली-हडिमधार पंपिंग योजना से नियमित जलापूर्ति करने तथा पानी की किल्लत होने पर तत्काल टैंकर उपलब्ध कराने की मांग की। इधर लक्ष्मोली प्रधान सुरेश नेगी ने बताया कि अलकनंदा नदी किनारे बसे लक्ष्मोली, जाबर, तत्याकोट सहित क्षेत्र के अन्य गांवों में भारी पेयजल किल्लत बनी है। उन्होंने जल संस्थान से इस समस्या के समाधान की मांग की। (एजेंसी)

स्वास्थ्य शिविर का 225 लोगों ने उठाया लाभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बल्ली में उत्तराखंड फाउंडेशन (यूएएनए) और स्वस्थ हिमालय अभियान समिति के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों सहित कुल 225 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ खून की जांच, ईसीजी, हड्डी संबंधी समस्याओं, मधुमेह, रक्तचाप एवं दंत रोगों की जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशु अवस्थी एवं डॉ. समृद्धि नेगी के नेतृत्व में किया गया। चिकित्सकों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और संतुलित जीवन शैली अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य युगजीत चंद्र सेमवाल, एसएमसी अध्यक्ष सुषमा रावत, ग्राम प्रधान रजनी देवी सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा।

शिविर का लाभ उठाते लोग

रघुनाथ कीर्ति परिसर के भीतर पहुंची आग, मची अफरा तफरी

श्रीनगर गढ़वाल : बीती रविवार रात को तीर्थनगरी के पौड़ी जिला स्थित वार्ड चार के बाह बाजार क्षेत्र में आग चारों ओर फैल गई। वहीं रघुनाथ कीर्ति परिसर के भीतर आग पहुंचने से छात्र, छात्राओं, शिक्षकों सहित कर्मचारियों में अफरातफरी हो गई। छात्रावास के ऊपर आग की लपटें उठने से सभी सहम गए। कुछ देर बाद आग की लपटें कम हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं आग बाह बाजार के ऊपर स्थित जंगल तक पहुंची और कुछ ही देर में बस्ती के पास तक पहुंच गई, जिससे परिवार दहशत में आ गए। सूचना पर वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद वन कर्मियों की ओर से आग को बस्ती की ओर आने से रोका जा सका। वहीं सोमवार को बाह बाजार के ऊपर स्थित खेड़ा गांव आग से चारों ओर से घिर गया, जिससे ग्रामीण बुझाने में जुट गए। आग से नगर से लेकर गांवों तक धुआं फैला है। वहीं इससे गर्मी भी बढ़ गई है। (एजेंसी)

विधायक कंडारी ने पीड़ित परिवार को सौंपा चेक

श्रीनगर गढ़वाल : ग्राम सभा पैंडुला पिपोला गांव की महिला की आग की चपेट में आने पर असमय मृत्यु से क्षेत्र में शोक की लहर है। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को ढाढ़स बंधाया तथा दुःख की इस घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। विधायक ने परिवार को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि भी सौंपी। विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि आग की घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। उन्होंने लोगों से जंगलों को आग से बचाने में सहयोग करने की अपील की। साथ ही प्रशासन से भी वनाग्नि रोकथाम के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने की बात कही। ग्रामीणों ने बताया कि हादसे में पीड़ित परिवार ने अपना सबसे बड़ा सहारा खो दिया है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। (एजेंसी)

जानकीचट्टी में पशु चिकित्सालय में दोपहर बाद लग जाता है ताला

उत्तरकाशी। यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर जानकीचट्टी स्थित सीजनल पशु चिकित्सालय में दोपहर बाद ताला लटका मिल रहा। आरोप है कि घोड़ा–खच्चरों की आवाजाही देर शाम तक जारी रहने के बावजूद पशु चिकित्सालय दोपहर दो बजे ही बंद हो जाता है जिससे पशु संचालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को घोड़ा–खच्चर संचालक मोहन लाल अपने बीमार घोड़े को लेकर जानकीचट्टी पशु चिकित्सालय पहुंचे। वहां मौजूद कर्मचारियों ने घोड़े को प्राथमिक उपचार और दवा दी। मोहन लाल का कहना है कि उपचार के बाद भी जब घोड़े की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वह दोबारा जानकीचट्टी चिकित्सालय पहुंचे लेकिन उस समय चिकित्सालय पर ताला लगा मिला।

जंगलों में आग लगाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जंगलों में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। जंगलों में आग लगने से वन संपदा को भारी नुकसान हो रहा है। गढ़वाल वन प्रभाग के अंतर्गत विभिन्न जंगलों में लगी आग अब जिला मुख्यालय के सघन आरक्षित वन क्षेत्र तक पहुंच गई है। जंगलों में बढ़ती आग की घटनाओं के मामले में गढ़वाल और सिविल सोयम वन प्रभाग पौड़ी सबसे संवेदनशील बने हुए हैं। वहीं सिविल वन क्षेत्र के जंगलों में आग लगाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सोमवार को पौड़ी रेंज नागदेव से सटे आरक्षित वन क्षेत्र सुबह से ही धधकना शुरू हो गया। बताया जा रहा है पौड़ी-कोटद्वार रोड पर गल्ला गोदाम मोहल्ले के समीप आग बीते रविवार रात से लगी जिसके चलते सुबह से ही पूरे क्षेत्र में धुएं की धुंध छाई रही। वनाग्नि को बुझाने के लिए वन कर्मी भी जूझते नजर आए। वन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक जिले में अभी तक 53 वनाग्नि की घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिसमें 82.2 हेक्टेयर में जंगल जले। सर्वाधिक 28 वनाग्नि की घटनाएं गढ़वाल वन प्रभाग और 23 घटनाएं सिविल सोयम वन प्रभाग पौड़ी में दर्ज हुईं, जिससे करीब 81 हेक्टेयर में जंगल जले। वहीं लैंसडौन वन प्रभाग कोटद्वार में महज दो जबकि भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडौन और अतिरिक्त भूमि संरक्षण वन प्रभाग रामनगर में आग की कोई घटना दर्ज नहीं हुई।

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

पर्यावरणीय असंतुलन से धधकते पहाड़

जिन पहाड़ों को कभी भीषण गर्मी में राहत का स्थान समझा जाता था आज वही पहाड़ गर्मी से धड़क रहे हैं। उत्तराखंड की स्थिति भी कुछ ऐसी है और यह सब पिछले कुछ दशकों में विकास के नाम पर किए गए विनाश का परिणाम है। मैदान में तापमान हैरान कर देने वाला है तो पहाड़ भी सूरज की तपिश और तापमान से हाफ रहे हैं। असल में विकास और विनाश के बीच संघर्ष की कहानी उत्तराखंड में एक पर्यावरण असंतुलन पैदा कर चुकी है। उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, जंगलों और धार्मिक आस्था के केंद्रों के कारण पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। इसे "देवभूमि" कहा जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यहां का पर्यावरणीय संतुलन तेजी से बिगड़ता दिखाई दे रहा है। अनियंत्रित विकास, अंधाधुंध निर्माण, जंगलों की कटाई, बढ़ता पर्यटन और जलवायु परिवर्तन ने राज्य को गंभीर पर्यावरणीय संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है। सड़क चौड़ीकरण, होटल निर्माण, जलविद्युत परियोजनाओं और पहाड़ों की कटाई ने प्राकृतिक संतुलन को गहरा नुकसान पहुंचाया है। पर्वतीय क्षेत्रों में बिना वैज्ञानिक अध्ययन के किए जा रहे निर्माण कार्यों से भू–स्खलन और दरारों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

जंगलों की कटाई और घटता जलस्त्रोत

पहाड़ों में जंगल केवल हरियाली नहीं बल्कि जीवन का आधार हैं। लेकिन बढ़ती आबादी और निर्माण गतिविधियों के कारण वनों का क्षेत्र लगातार कम हो रहा है। जंगलों के कटने से वर्षा चक्रप्रभावित हो रहा है और प्राकृतिक जलस्त्रोत सूखते जा रहे हैं। जा एक तरफ उत्तराखंड सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है तो वहीं इसी पर्यटन से प्लास्टिक कचरा और प्रदूषण के साथ–साथ प्राकृतिक संसाधनों पर भी दबाव पड़ रहा है। ऑपरेशन यह है कि आखिर उत्तराखंड के असंतुलित पर्यावरण को सुरक्षित कैसे रखा जाए?

उत्तराखंड में विकास आवश्यक है, लेकिन वह प्रकृति के अनुकूल होना चाहिए। वैज्ञानिक आधार पर निर्माण कार्य, पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन, वनों का संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सतत पर्यटन नीति ही इस संकट से बाहर निकलने का रास्ता हैं। यह समस्या किसी एक सरकार या संगठन की नहीं है बल्कि इसे मिलजुलकर कर ही संतुलित किया जा सकता है।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया : आम आदमी पर महंगाई की मार

दिलीप कुमार पाठक

आजकल सुबह आंख खुलते ही सबसे पहला डर इसी बात का होता है कि आज कौन सी चीज महंगी हो गई। हर दिन की तरह आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम फिर बढ़ गए हैं। आज पेट्रोल में करीब 2.61 रुपए और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले दस दिनों में यह चौथी बार है जब जेब पर इस तरह का डाका डाला गया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में तो पेट्रोल 111 रुपए के भी पार बिक रहा है। एक आम इंसान के लिए अब यह रोज का सिरदर्द बन चुका है। कमाई वही है, लेकिन खर्चे रॉकेट की रफ्तार से भाग रहे हैं।

साल 2014 में जब देश में मोदी सरकार आई थी, तब हर तरफ एक ही चर्चा थी कि अब महंगाई के दिन खत्म होने वाले हैं। बहुत हुई महंगाई की मार वाला नारा तो सबको याद ही होगा। तब लोगों को लगा था कि चलो, अब कोई ऐसी सरकार आई है जो रसोई गैस, दाल, तेल और पेट्रोल-डीजल के दाम कम करके आम जनता को चैन की सांस देगी। लेकिन आज इतने साल बीतने के बाद जब हम अपनी जेब देखते हैं, तो लगता है कि राहत की उम्मीद करना ही बेकार था। राहत मिलना तो दूर, अब तो गुजारा करना भी भारी पड़ रहा है। तेल के दाम बढ़ने का मतलब सिर्फ गाड़ी में महंगा पेट्रोल डालना नहीं होता। डीजल महंगा होते ही ट्रक और गाड़ियों का किराया बढ़ जाता है। इसका सीधा असर हमारे घर के राशन और रसोई पर पड़ता है। जो सब्जियां, दाल, दूध और अनाज मंडियों से हमारे घर तक आते हैं, उन सब की कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं। हाल ही में सरकार ने जो खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक देश की महंगाई दर 3.48% पर है। लेकिन इसी सरकारी आंकड़े में खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.20% से भी ऊपर चल रही है। सरकार भले ही टीवी और अखबारों में आंकड़ों का खेल दिखाकर यह कहे कि सब कुछ नियंत्रण में है, लेकिन बाजार जाकर जब जेब से पैसे ढीले होते हैं, तब असली हकीकत समझ आती है। जो सामान कुछ महीने पहले जितने में आता था, आज उतने पैसे में आधा सामान भी नहीं मिल रहा।

त्योहारों की खुशियाँ मनाने के बजाय अब लोग महीने का खर्च देखकर डरने लगे हैं।परेशानी सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक ही रुकी हुई नहीं है। घर का गैस सिलेंडर आज हजार रुपये के पार पहुंच चुका है। इसके ऊपर से बच्चों की स्कूल फीस, बिजली का बिल और बीमारी के समय दवाइयों का खर्च अलग से कमर तोड़ देता है। सरकारी अस्पताल हो या प्राइवेट, हर जगह इलाज और दवाइयां आम आदमी के बजट से बाहर हो चुकी हैं। नौकरीपेशा लोगों की सैलरी सालों-साल उतनी ही रहती है, लेकिन बाजार की हर चीज महंगी होती जा रही है। महीने की दस या पंद्रह तारीख आते-आते मध्यमवर्गीय लोग पैसे गिनने लगते हैं कि बाकी का आधा महीना कैसे कटेगा।जब भी इस पर बात होती है, तो सरकार की तरफ से कह दिया जाता है कि दुनिया भर में मंदी है या कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। ठीक है, दुनिया की बातें अपनी जगह हैं, लेकिन जनता यह भी तो देखती है कि जब बाहर कच्चे तेल के दाम कम होते हैं, तब हमारे यहाँ पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं होता? सरकार भारी-भरकम टैक्स और सेस लगाकर अपना खजाना भरने में लगी है और उसका पूरा बोझ सीधे उस जनता पर आ रहा है जो पहले से ही पाई-पाई के लिए परेशान है।

आखिर में सवाल यही घूम-फिर कर आता है कि क्या वे अच्छे दिन सिर्फ चुनाव जीतने के वादे थे? लोगों ने बड़ी उम्मीद से वोट दिया था कि उनकी जिंदगी थोड़ी आसान होगी। लेकिन आज सच यह है कि सुबह की चाय से लेकर रात की रोटी तक, हर चीज पर महंगाई का हथौड़ा चल रहा है। अब लोग बुनियादी जरूरतों में कटौती करने लगे हैं - कोई दूध कम ले रहा है, तो कोई बच्चों की ट्यूशन बंद करवा रहा है। सरकार को अब यह कागजी आंकड़े छोड़ देने चाहिए और जमीन पर आकर देखना चाहिए, क्योंकि जब तक आम आदमी की थाली सस्ती नहीं होगी, तब तक तरक्की की सारी बातें बेकार हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

भारत की कृषि आत्मा को समर्पित जनसेवा प्रसारक का स्वर्णिम अध्याय

विनोद कुमार सिंह

डीडी किसान : 11 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा, जिसने खेत-खलिहानों को दिया ज्ञान, विश्वास और नई दिशा...

भारत केवल शहरों और महानगरों का देश नहीं है।इसकी वास्तविक आत्मा गांवों में बसती है,जहाँ खेतों की हरियाली,किसान का श्रम और ग्रामीण संस्कृति मिलकर राष्ट्र की आर्थिक शक्ति को मजबूत बनाते हैं।भारतीय लोकतंत्र की जड़ें यदि गाँवों में हैं,तो गाँवों की धड़कन किसान है।यही कारण है कि खेती, किसान और ग्रामीण भारत से जुड़ी सूचना,शिक्षा और जागरूकता का महत्व अत्यंत बढ़ जाता है।इसी आवश्यकता को समझते हुए 26 मई 2015को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक दूरदर्शन ने 'डीडी किसान' चैनल की शुरूआत की थी।आज यह चैनल अपनी सफलतापूर्वक 11 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी कर चुका है। यह केवल एक टेलीविजन चैनल नहीं,बल्कि भारतीय कृषि समाज की आवाज,किसानों का साथी और ग्रामीण भारत का विकास मंच बन चुका है।डीडी किसान की शुरूआत ऐसे समय हुई थी जब भारतीय कृषि अनेक चुनौतियों से जूझ रही थी।जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून,खेती की बढ़ती लागत, घटती कृषि योग्य भूमि,बाजार की अस्थिरता और वैज्ञानिक जानकारी के अभाव जैसी समस्याएँ किसानों को प्रभावित कर रही थीं।ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता सीमित थी और अधिकांश किसान परंपरागत अनुभवों के आधार पर खेती कर रहे थे।ऐसे समय में किसानों के लिए समर्पित 247 चैनल की शुरूआत अपने आप में ऐतिहासिक कदम था।इस चैनल का उद्देश्य केवल कृषि समाचार देना नहीं था,बल्कि 'किसान को सूचना से सशक्त' बनाना था।यही कारण है कि डीडी किसान ने खेती को परंपरागत सीमाओं से निकाल कर आधुनिक विज्ञान,तकनीक और बाजार व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया।भारत दुनिया की सबसे बड़ी कृषि अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।ऐसे विशाल कृषि समाज के लिए समर्पित राष्ट्रीय चैनल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।डीडी किसान ने इस आवश्यकता को पूरा करते हुए किसानों तक उपयोगी और वैज्ञानिक जानकारी पहुँचाने का सशक्त माध्यम तैयार किया।डीडी किसान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने किसानों को 'सूचना का अधिकार' व्यवहारिक रूप में प्रदान किया। वर्षों तक किसान केवल स्थानीय अनुभवों और सीमित जानकारी पर निर्भर रहते थे,लेकिन इस चैनल ने खेती को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने की नई सोच विकसित की। मौसम आधारित खेती,जल संरक्षण,ड्रिप इरिगेशन,प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरकों का उपयोग, फसल विविधीकरण, मधुमक्खी पालन,मत्स्य पालन,डेयरी उद्योग और कृषि आधारित स्वरोजगार जैसे विषयों को लगातार प्रमुखता दी गई।चैनल के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मौसम खबर'और'मंडी समाचार' किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए।'मौसम खबर' में विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार मौसम पूवार्नुमान और फसल आधारित सलाह दी जाती रही, जबकि 'मंडी समाचार' ने किसानों को विभिन्न मंडियों के भाव और बाजार की जानकारी देकर बेहतर निर्णय लेने में सहायता प्रदान की।डीडी किसान ने किसानों को खेती की बदलती तकनीकों से भी जोड़ा। आज देश का किसान मोबाइल एप, ड्रोन तकनीक,मिट्टी परीक्षण, माइक्रो इरिगेशन,डिजिटल मंडी और प्राकृतिक खेती जैसे आधुनिक कृषि शब्दों से परिचित है।इस जागरूकता के पीछे जनसंचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है,जिसमें डीडी किसान अग्रणी रहा।चैनल ने केवल खेती तक अपने कार्यक्रम सीमित नहीं रखे, बल्कि ग्रामीण जीवन के व्यापक विकास को भी केंद्र में रखा।महिला स्वयं सहायता समूह,ग्रामीण उद्यमिता, डिजिटल भुगतान,कौशल विकास,ग्रामीण स्वास्थ्य,शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों को भी प्रमुखता दी गई।यही कारण है कि यह चैनल 'कृषि चैनल' से आगे बढ़कर 'ग्रामीण भारत का विकास चैनल' बन गया।डीडी किसान की एक प्रेरक पहल 'सफल किसान' कार्यक्रम रहा। इसमें देशभर के उन किसानों की कहानियाँ दिखाई गईं जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक तकनीक अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।किसी किसान ने जैविक खेती से लाखों की आय अर्जित की, तो किसी ने मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन को रोजगार का माध्यम बनाया।इन वास्तविक कहानियों ने लाखों किसानों के भीतर आत्मविश्वास जगाया।भारत में दूरदर्शन की परंपरा स्वयं अत्यंत गौरवशाली रही है।वर्ष 1967 में शुरू हुआ 'कृषि दर्शन' कार्यक्रम भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले कार्यक्रमों में गिना जाता है।डीडी किसान ने उसी परंपरा को आधुनिक स्वरूप और 24 घंटे की निरंतरता प्रदान की।डीडी किसान की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने कृषि वैज्ञानिकों,शोध संस्थानों और किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया।कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों से जुड़े विशेषज्ञों को मंच देकर चैनल ने वैज्ञानिक शोध को खेतों तक पहुँचाने का कार्य किया।इससे 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को मजबूती मिली।आज डिजिटल मीडिया के युग में भी डीडी किसान का महत्व कम नहीं हुआ है।देश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी दूरदर्शन और डीडी फ्री डिश की पहुँच अत्यंत व्यापक है।सीमित संसाधनों वाले किसान परिवारों तक निःशुल्क पहुँचने की क्षमता ने इस चैनल को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया है।यही इसकी सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है।ग्रामीण भारत में आज भी ऐसे लाखों परिवार हैं जहाँ निजी डिजिटल प्लेटफॉर्म या महँगे चैनल उपलब्ध नहीं हैं,लेकिन डीडी किसान उनके घर तक पहुँचता है।यही कारण है कि इसकी विश्वसनीयता लगातार बनी हुई है।डीडी किसान ने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को लोकप्रिय बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।पिछले कुछ वर्षों में रसायन मुक्त खेती,देसी बीजों के संरक्षण और मोटे अनाज यानी मिलेट्स के प्रति बढ़ती जागरूकता में जनसंचार माध्यमों की बड़ी भूमिका रही है।चैनल ने लगातार मिलेट्स, गो आधारित खेती और पर्यावरण संतुलन जैसे विषयों को प्रसारित कर कृषि को सतत विकास से जोड़ने का प्रयास किया।जल संकट और बदलते जलवायु परिदृश्य को देखते हुए चैनल ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप',सूक्ष्म सिंचाई और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को भी प्रमुखता दी।खेती में पानी बचाने की तकनीकों पर आधारित कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में काफी लोकप्रिय हुए।डीडी किसान ने ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को भी नई पहचान दी।खेतों से लेकर पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।चैनल ने महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों की सफलता की कहानियों को सामने लाकर उन्हें प्रेरणा का स्त्रोत बनाया। वैश्विक महामारी कोविड- 19 महामारी के दौरान डीडी किसान किसानों के लिए भरोसेमंद सूचना माध्यम बनकर उभरा। लॉकडाउन के समय किसानों के सामने फसल कटाई,श्रमिक संकट और परिवहन जैसी समस्याएँ थीं।उस समय चैनल ने किसानों तक आवश्यक जानकारी पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।उस दौर में यह चैनल ग्रामीण भारत की सूचना जीवनरेखा बन गया था।तकनीकी दृष्टि से भी डीडी किसान ने समय के साथ स्वयं को बदला है।हाल के वर्षों में चैनल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और आधुनिक प्रस्तुति शैली को अपनाया।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एआई एंकर 'एआई कृष' और 'एआई भूमि' की शुरूआत ने इसे तकनीकी नवाचार की दिशा में भी अग्रणी बना दिया।यह इस बात का संकेत है कि भारतीय कृषि संचार भी तेजी से डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ रहा है।डीडी किसान की 11 वर्षों की यात्रा वास्तव में भारतीय कृषि संचार क्रांति की कहानी है।यह यात्रा केवल एक चैनल की सफलता नहीं, बल्कि उस सोच की सफलता है जिसमें किसान को राष्ट्र निर्माण का केंद्र माना गया।आज भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में कृषि क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला किसान ही हैं।इसलिए किसानों को सशक्त बनाना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है।

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा।

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी

जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा।

लेकिन इस साझेदारी की असली परीक्षा भरोसे पर होगी। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है। अफगानिस्तान से अचानक वापसी और बदलती नीतियों ने उसके सहयोगियों को सतर्क किया है। भारत इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठा रहा है। वैसे भी आज की दुनिया में गठबंधन केवल युद्ध लड़ने के लिए नहीं बनते, बल्कि तकनीक, व्यापार, डेटा और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के लिए भी बनते हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते अब इसी नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह संबंध केवल दो देशों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि एशिया और दुनिया की नई शक्ति संरचना का आधार बन सकता है। मार्को रुबियो की यात्रा इसी बदलती भू-राजनीति का संदेश है। संकेत साफ है कि अमेरिका को अब भारत की जरूरत महसूस हो रही है। और भारत भी यह समझ चुका है कि वैश्विक राजनीति में अब निर्णायक खिलाड़ी बनकर उतरने का समय आ गया है।

इसके अलावा, हाल के घटनाक्रमों ने यह भी साफ कर दिया है कि अमेरिका की चीन नीति उतनी सफल नहीं रही, जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चीन दौरे पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई बड़ी रणनीतिक सफलता हासिल नहीं हुई। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दों पर बीजिंग ने अमेरिकी दबाव के सामने झुकने के संकेत नहीं दिए। विश्लेषकों का मानना है कि इसी के बाद वॉशिंगटन को दोबारा यह एहसास हुआ कि एशिया में चीन का संतुलन केवल भारत के सहयोग से ही संभव है। यही वजह है कि ट्रंप के सुर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। ट्रंप की चीन यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत पहुंचे और उन्होंने भारत को ॣनेचुरल पार्टनरॣ बताते हुए रिश्तों को नई दिशा देने की बात कही। माना जा रहा है कि ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। खुद सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है।

संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने दौरे के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रुबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वॉड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होंगे। रुबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिश्तों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका की पीएम बोलीं- तनाव भरी दुनिया में कॉमनवेल्थ बेहद जरूरी मंच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसुरिया ने कहा है कि आज के बढ़ते वैश्विक तनाव और अस्थिर माहौल में राष्ट्रमंडल राष्ट्र सदस्य देशों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने 21 मई 2026 को कॉमनवेल्थ महासचिव शर्ली बॉचवे से मुलाकात के बाद यह बयान दिया। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानून लगातार कमजोर हो रहे हैं। ऐसे समय में कॉमनवेल्थ जैसे संगठन देशों के बीच भरोसा बढ़ाने और संवाद बनाए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग, साझेदारी और एक-दूसरे की आवाज सुनना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। अमारासूर्या ने कहा कि कॉमनवेल्थ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विविध सदस्यता है, जहां छोटे और विकासशील देशों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों का असर सीधे श्रीलंका जैसे देशों पर पड़ रहा है। मध्य पूर्व संकट के कारण खाद्य पदार्थ, ईंधन और उर्वरकों की कीमतें बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों पर पड़ रहे असर को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कॉमनवेल्थ आने वाले समय में और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश- दो अहम बंदरगाहों का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए 3 बड़े रणनीतिक समझौतों के बाद बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश ने अमेरिका को अपने दो अहम बंदरगाहों चिटगांव-मतारबाड़ी के इस्तेमाल की अनुमति देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं साझा करने पर भी सहमति बनी है। अमेरिकी नौसेना व सैन्य जहाज अब इन दोनों बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अमेरिका की हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक मौजूदगी काफी मजबूत होगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से करीब 1100 किमी दूर है, इसलिए इसे भारत की सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका की विशेष नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है और वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। तेल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भी यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्पेन : रैली निकाल मांगा पीएम का इस्तीफा

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के समाजवादी प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को राजधानी मैड्रिड में हजारों स्पैनवासियों ने विशाल विरोध रैली निकाली। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पीएम के आधिकारिक आवास के चारों और लगी बाधाओं को तोड़ने की कोशिश भी की। स्पेनिश सिविल सोसाइटी एसोसिएशन की अगुवाई में स्पैनवासियों ने यह रैली भ्रष्टाचार के कई घोटालों के सामने आने के विरोध में निकाली। इन लोगों के हाथों में समाजवादी माफिया का इस्तीफा और अन्य नारों वाले बैनर थे। विपक्षी पीपल्स पार्टी और धुर-दक्षिणपंथी वॉक्स पार्टी के नेताओं ने भी इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस ने पीएम के आवास मोंक्लोआ पैलेस की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर नकाबपोश लोगों के एक समूह को हिरासत में लिया। इस पैलेस में ही सांचेज अपने परिवार के साथ रहते हैं। मार्च फॉर डिग्निटी (गरिमा मार्च) में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए।

सेनेगल : राष्ट्रपति ने पीएम को हटाया

डकार, एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने वर्षों से जारी तनाव के बाद पीएम ओस्मान सोनको को बर्खास्त कर दिया है। सरकार के महासचिव उमर सांबा बा ने शुक्रवार देर रात इस फैसले की घोषणा की। पास्टेफ पार्टी के फाये व सोनको के बीच खुले टकराव के बाद यह बर्खास्तगी की गई। दबा ने कहा, पीएम को बर्खास्त करने के बाद सरकार के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

स्पेसएक्स का अब तक का सबसे बड़ा स्टारशिप प्रक्षेपित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अब तक का अपना सबसे बड़ा, शक्तिशाली व अगली पीढ़ी के उन्नत स्टारशिप रॉकेट का सफल परीक्षण किया। इस परीक्षण में रॉकेट में 20 नकली उपग्रहों का एक समूह तैनात किया था। स्टारशिप, टेक्सास के दक्षिणी छोर से रवाना हुआ और हिंद महासागर में नियंत्रित लैंडिंग की। यह उस रॉकेट की 12वीं परीक्षण उड़ान है, जिसे एलन मस्क लोगों को मंगल तक ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

ट्रंप थे व्हाइट हाउस के अंदर, बाहर चलीं गोलियां; सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को किया ढेर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास शनिवार रात अचानक गोलीबारी से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस परिसर के नजदीक 17 स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू इलाके में करीब 30 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। यह इलाका आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन के पास स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक संदिग्ध बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस के बाहर बने सुरक्षा बूथ पर फायरिंग शुरू कर दी, जहां सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। जवाबी कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के जवानों ने भी गोली चलाई, जिसमें संदिग्ध हमलावर घायल हो गया। इस गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि किसी सीक्रेट सर्विस अधिकारी के घायल होने की खबर नहीं है।

गोलीबारी के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे ट्रंप : घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। फिलहाल उनके सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि व्हाइट हाउस की छत पर काउंटर स्नाइपर्स को तैनात किया गया, ताकि किसी भी संभावित खतरे से तुरंत निपटा जा सके। घटना के समय सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी थी। इस गोलीबारी के बाद पूरे इलाके में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई। व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन को तुरंत खाली कराया गया और कुछ समय के लिए लॉकडाउन लागू किया गया। वहां मौजूद पत्रकारों ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनते ही उन्हें प्रेस ब्रीफिंग रूम के अंदर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया।

सोशल मीडिया पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने दी जानकारी : अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्हें 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू के पास गोली चलने की सूचना मिली है। यह इलाका व्हाइट हाउस से सिर्फ एक ब्लॉक दूर बताया जा रहा है। एजेंसी ने कहा कि जमीन पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर जानकारी की पुष्टि की जा रही है।

रिपोर्ट- हमलावर खुद को जीजस मानता था : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिरे बेस्ट मानसिक रूप से परेशान था और वह पहले भी कई बार व्हाइट हाउस के आसपास देखा गया था। उसके खिलाफ कोर्ट का आदेश था कि वह व्हाइट हाउस के पास नहीं आए, लेकिन उसने इस आदेश को नहीं माना। रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जून 2025 को उसने सड़क पर गाड़ियों का रास्ता रोक दिया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेंटल हेल्थ सेंटर भेजा गया था। करीब दो हफ्ते बाद, 10 जुलाई 2025 को वह व्हाइट हाउस के प्रतिबंधित इलाके में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गिरफ्तारी के समय उसने खुद को आज के दौर का जीजस बताया था। उसने अधिकारियों से यह भी कहा था कि वह गिरफ्तार होना चाहता था।

इलाके में 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही : गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद पत्रकारों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियारों के साथ पूरे इलाके में तैनात हो गए और करीब 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ लॉन को खाली करा दिया गया है। स्न्नक्क्ष डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा एजेंसियां फायरिंग की खबर पर कार्रवाई कर रही हैं।

व्हाइट हाउस में मौजूद थे कई पत्रकार : रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को व्हाइट हाउस परिसर के आसपास मौजूद पत्रकारों ने कई गोलियों की आवाजें सुनीं। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत सभी पत्रकारों को प्रेस ब्रीफिंग रूम में जाने का निर्देश दिया। कुछ देर बाद सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर निकलने से भी रोक दिया। इससे इलाके में तनाव और सतर्कता का माहौल बन गया।

घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित बताए गए हैं और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, वॉशिंगटन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने फिलहाल मामले पर विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही मामले को लेकर बयान जारी कर सकती है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की निगरानी कर रही हैं और आसपास की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कांगो में इबोला का खतरा बढ़ा: इलाज केंद्र में आगजनी के बाद 18 संदिग्ध मरीज लापता

किंशासा , एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला वायरस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब गुस्साए लोगों ने इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए एक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। इस घटना के बाद 18 संदिग्ध मरीज वहां से भाग निकले और अब उनका कोई पता नहीं चल पाया है। यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा हमला है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं वायरस को और तेजी से फैलाने का खतरा बढ़ा रही हैं। इलाके में पहले से ही डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय अस्पताल के निदेशक डॉ. रिचर्ड लोकुडी ने बताया कि मोंगबवालु शहर में शुक्रवार रात कुछ लोग इलाज केंद्र पहुंचे और वहां लगे एक टेंट में आग लगा दी। यह टेंट संदिग्ध और पुष्टि वाले इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाया गया था। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन बिना सीमाओं के डॉक्टर की मदद से चलाया जा रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीज जान बचाने के लिए बाहर भागने लगे। इसी दौरान 18 संदिग्ध मरीज लापता हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है क्योंकि संक्रमित लोग समुदाय में वायरस फैला सकते हैं। इससे एक दिन पहले र्वामपारा शहर में भी एक इलाज केंद्र को आग लगा दी गई थी। वहां एक व्यक्ति की इबोला से मौत का शक था और प्रशासन ने परिवार को शव ले जाने की अनुमति नहीं दी थी। इबोला से मरने वाले लोगों के शव बेहद संक्रामक माने जाते हैं और अंतिम संस्कार के दौरान वायरस फैलने का

खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से प्रशासन खुद अंतिम संस्कार करवा रहा है। लेकिन कई परिवार और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शनिवार को र्वामपारा में भारी सुरक्षा के बीच इबोला मरीजों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया। सैनिकों और पुलिस की मौजूदगी में रेड क्रॉस के कर्मचारी सुरक्षा सूट पहनकर ताबूत दफनाते दिखाई दिए। परिवार के लोग दूर खड़े होकर रोते रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कांगो में इबोला का खतरा अब बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसके फैलने का खतरा अभी कम माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने बताया कि असली संक्रमितों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। यह वायरस बंडीबुग्यो प्रकार का दुर्लभ इबोला है, जिसका अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार शुरुआती मामलों की पहचान में देरी हुई, जिससे वायरस कई हफ्तों तक बिना पकड़े फैलता रहा। पूर्वोत्तर कांगो में प्रशासन ने 50 से ज्यादा लोगों के जुटने और अंतिम संस्कार सभाओं पर रोक लगा दी है।रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने बताया कि उसके तीन स्वयंसेवकों की भी इबोला संक्रमण से मौत हुई है।

मोरक्को के राजा ने अफ्रीका कप फाइनल हिंसा के 18 सेनेगली प्रशंसकों को दी माफी; सांचेज से मांगा इस्तीफा

रबात, एजेंसी। मोरक्को के राजा मोहम्मद ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फाइनल के दौरान हुई हिंसा के मामले में जेल भेजे गए 18 सेनेगली फुटबॉल प्रशंसकों को माफ कर दिया है। यह फैसला ईद-अल-अजहा के मौके पर मानवीय आधार पर लिया गया। इन प्रशंसकों को फरवरी 2026 में खेल परिसर को नुकसान पहुंचाने और खेल आयोजन के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप में एक साल तक की सजा सुनाई गई थी। कुछ लोग अपनी सजा पूरी भी कर चुके थे। जनवरी में खेले गए अफ्रीका कप फाइनल में सेनेगल और मोरक्को के बीच मुकाबले के दौरान भारी हंगामा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ सेनेगली समर्थकों ने मैदान में घुसने की कोशिश की थी। वहीं सेनेगल की टीम ने मेजबान मोरक्को को दिए गए आखिरी मिनट के पेनल्टी फैसले का विरोध करते हुए मैदान छोड़ दिया था। हालांकि सेनेगल ने मैच 1-0 से जीत

लिया था, लेकिन बाद में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने विवादित फैसला लेते हुए सेनेगल से खिताब छीनकर मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया। सेनेगल ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी। घटना के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया था और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेश भी सामने आए थे। इसके बावजूद दोनों देशों के नेताओं ने आपसी रिश्ते मजबूत बनाए रखने और व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई।

असीम मुनीर ने पेजेश्कियन और गालिबाफ से की मुलाकात, ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामिक एकता पर दिया जोर

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर से संबंधित बातचीत के सिलसिले में तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से मुलाकात की। ईरान के आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, सीडीएफ मुनीर ने ईरान के संसदीय स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी मुलाकात की है। अल अरबिया ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि मुनीर ने तेहरान को अमेरिका के मैसेज भेजे थे और उन मैसेज में युद्ध फिर से शुरू करने की धमकी भी शामिल थी। मेहर न्यूज के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि 'अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।' पेजेश्कियन ने मुनीर से मुलाकात के दौरान अपनी बात की शुरुआत इस्लामिक एकता की जरूरत पर जोर देते हुए की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने असल में अंतरराष्ट्रीय कानूनी फ्रेमवर्क के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने जोर दिया, 'हम बस अपने देश के जायज और कानूनी अधिकारों को असलियत में लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। ' बार-बार वादे तोड़ने, बातचीत के दौरान हमलों और अधिकारियों की हत्याओं की वजह से अमेरिका पर ईरानियों के भरोसे में कमी का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा, 'ऐसे हालात में, ईरान बातचीत के रास्ते पर है, पाकिस्तान जैसे दोस्त देशों के साथ भाईचारे वाले संबंधों पर भरोसा कर रहा है, लेकिन हमारा मुख्य मकसद बस सही समाधान के साथ ईरानी देश के हितों को सुरक्षित करना है। ' उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका नहीं जीतेगा; बल्कि, इस इलाके और दुनिया के देशों को गंभीर नुकसान होगा। यहूदी शासन ही एकमात्र पार्टी है जो युद्ध के जरिए इस इलाके में अपने फायदे सुरक्षित करना चाहती है। ' दूसरी तरफ, मुनीर ने कहा कि इजरायल मुसलमानों के बीच झगड़े और मतभेद में अपना फायदा ढूंढता है। पाकिस्तान सिर्फ स्थिरता बनाना चाहता है और इलाके में युद्ध को जारी रहने और दोबारा होने से रोकना चाहता है। सेना ने एक बयान में कहा है कि आसिम मुनीर ने ईरान का एक छोटा लेकिन बहुत फायदेमंद दौरा पूरा कर लिया है। इस दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की। बयान में कहा गया है कि पिछले ?24 घंटों में हुई बातचीत से आखिरी समझौते की दिशा में अच्छी तरक्की हुई है। इसके अलावा, पाकिस्तान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान के कृषि मंत्री घोलमरेजा नूरी घेजेलजेह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने कृषि क्षेत्र में समझौतों में तेजी लाने और जरूरी चीजों के ट्रांसपोर्ट को आसान बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच कृषि और पशुधन व्यापार में साझा मौकों पर भी जोर दिया।

सर्बिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज, बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। हजारों लोगों ने राष्ट्रपति के खिलाफ प्रदर्शन किया। रैली खत्म होने के बाद कुछ प्रदर्शनकारी समूहों और दंगा पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, बोतलें और फ्लेयर फेंके, जबकि पुलिस ने जवाब में पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। सर्बिया में पिछले कई महीनों से भ्रष्टाचार और सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है। इस प्रदर्शन को छात्र संगठनों और युवाओं का बड़ा समर्थन मिला। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। हजारों लोग राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच की सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन की शुरुआत नवंबर 2024 की ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद हुई थी। छात्र संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं और समय से पहले चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन के बाद बेलग्रेड में हिंसा कैसे भड़की : बेलग्रेड के केंद्रीय चौक पर हुई बड़ी रैली शुरुआत में शांतिपूर्ण रही। प्रदर्शनकारी 'स्टूडेंट्स विन' लिखी टी-शर्ट और बैनर लेकर पहुंचे थे। लेकिन मुख्य कार्यक्रम खत्म होने के बाद कुछ युवा समूह पुलिस से भिड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें कई फुटबॉल हूलीगन भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कूड़ेदान लाकर बैरिकेड बनाए और पुलिस पर चीजें फेंकीं। इसके बाद दंगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। पुलिस ने इलाके में दंगा नियंत्रण वाहन भी तैनात किए ताकि प्रदर्शनकारी दोबारा मुख्य इलाके में न पहुंच सकें।

छात्र आंदोलन आखिर किस मुद्दे पर शुरू हुआ : सर्बिया में यह आंदोलन नवंबर 2024 में हुई एक ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद शुरू हुआ था। देश के उत्तरी हिस्से में हुई इस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने भ्रष्टाचार और सरकारी लापरवाही के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन शुरू कर दिए। आंदोलन लगातार बढ़ता गया और भारी दबाव के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया। छात्र संगठनों का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को रोकने में विफल रही है। प्रदर्शनकारी अब समय से पहले संसदीय चुनाव कराने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल माजा मिलास मार्कोविच नाम की एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि छात्रों ने अपनी ऊर्जा और एकजुटता से लोगों को साथ लाने का काम किया है।

रूस के कॉलेज पर हुए ड्रोन हमले में मौत का आंकड़ा बढ़ा, मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

मॉस्को, एजेंसी। रूस के लुहांस्क इलाके के स्टारोबेल्स्क में एक डॉरमेट्री पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार मलबे में और शव मिले हैं। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सर्विस ने बताया कि मलबे के नीचे तीन और बच्चे हो सकते हैं। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया, 'मलबे से दो और लोगों की लाशें बरामद की गईं। इससे घायलों की कुल संख्या 60 हो गई है, जिनमें से 18 की मौत हो गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को स्टारोबिल्स्क कॉलेज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की थी। रूसी जांच कमेटी की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको के मुताबिक, कॉलेज को यूक्रेन की आर्म्ड फोर्सेज ने चार फिक्स्ड-विंग यूएवी से हमला किया था। जब हमला हुआ, तो 14 से 18 साल के 86 बच्चे उस जगह पर मौजूद थे। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले की निंदा की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, 'हम आम लोगों और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले किसी भी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। यूक्रेन के बारे में, मैं यह बताना चाहूंगा कि हम स्टारोबिल्स्क शहर में एक कॉलेज की बिल्डिंग और डॉरमेट्री पर रातभर हुई गोलाबारी की रिपोर्ट पर चिंता के साथ नजर रख रहे हैं, जिसमें बच्चों समेत कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। ' इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन हैं। दुजारिक ने आगे कहा, 'हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे ऐसे किसी भी काम से बचें जिससे पहले से ही खतरनाक स्थिति और बिगड़ सकती है।

हमले के बाद रूस के कहने पर बुलाई गई सुरक्षा परिषद की मीटिंग में वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि हथियारों वाली लड़ाई के दौरान बच्चों, स्कूलों और अस्पतालों को कभी भी टारगेट नहीं बनाया जाना चाहिए। फ्रेजियर ने कहा, 'आम लोगों, बच्चों, मानवीय मदद करने वाले लोगों और आम चीजों को, जिसमें स्कूल और अस्पताल भी शामिल हैं, कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उनके घरों, उनके क्लासरूम और उनके भविष्य को नुकसान नहीं स्वीकार किया जा सकता। ' यूएन में अमेरिका की उपस्थायी प्रतिनिधि टैमी ब्रूस ने कहा, 'हम कल रात लुहांस्क में हुई मौतों और घायलों की रिपोर्ट पर नजर रख रहे हैं। इस हमले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिले हैं। जब तक हम इन सवालों के जवाब का इंतजार कर रहे हैं, हम युद्ध को हमेशा के लिए, बातचीत से खत्म करने के तरीके के तौर पर तुरंत और पूरी तरह से सीजफायर की जरूरत पर जोर देते हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा : अमेरिका-ईरान शांति समझौता लगभग तय, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोला जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन और तेहरान एक बड़े शांति समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। यह बातचीत मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के कई नेताओं के साथ हुई कॉल्स के बाद आगे बढ़ी, जिनमें पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर और खाड़ी देशों के नेता भी शामिल थे। शनिवार को 'ट्रुथ सोशल' पर किए गए एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्र के कई देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है और अब सिर्फ कुछ आखिरी बातें बाकी हैं। ट्रंप ने लिखा, 'मैं व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हूं, जहां अभी हमारी सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, यूएई के मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, कतर के अमीर तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी, प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम बिन जाबेर अल थानी, कतर के मंत्री अली अल-थावादी, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर अहमद शाह, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यह बातचीत ईरान और शांति से जुड़े एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर केंद्रित थी। '

ट्रंप ने कहा कि यह हाल के महीनों में ईरान और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक पहल में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि? अमेरिका, ईरान और ऊपर बताए गए दूसरे देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है, बस अंतिम मंजूरी बाकी है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अलग से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और वह भी बहुत अच्छी रही।

ट्रंप के मुताबिक, अब बातचीत समझौते की आखिरी शर्तों और विवरणों पर चल रही है। डील के अंतिम पहलुओं और बारीकियों

पर चर्चा जारी है, और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रंप के बयान का सबसे अहम हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर था। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल गुजरता है। उन्होंने लिखा, 'समझौते के कई दूसरे हिस्सों के साथ-साथ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी खोला जाएगा।' इस बयान पर भारत में भी खास नजर रहेगी, क्योंकि भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए खाड़ी देशों से बड़े पैमाने पर आयात करता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव को हमेशा चिंता की नजर से देखता रहा है।

अगर ईरान से जुड़ा तनाव कम होता है, तो इससे तेल की कीमतों, शिपिंग में रुकावट और सप्लाई चेन से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्तावित समझौता ज्ञापन की पूरी जानकारी साझा नहीं की और न ही यह बताया कि इसमें कौन-सा देश क्या भूमिका निभाएगा। व्हाइट हाउस की तरफ से भी फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है।

60 दिन के लिए बढ़ेगा अमेरिका-ईरान युद्धविराम : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर बड़ी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देश 60 दिन के लिए युद्धविराम बढ़ाने के करीब पहुंच गए हैं। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को धीरे-धीरे दोबारा खोलने और ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करने या सौंपने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों में ढील देने और कुछ प्रतिबंध हटाने पर सहमत हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम को पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

एसी के साथ पंखा चलाना सही है या गलत?

बिजली बिल बचाने का आसान तरीका

गर्मी के मौसम में कमरे को जल्दी ठंडा करने के लिए लोग अक्सर एसी और पंखा एक साथ चला लेते हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या एसी और फैन को साथ चलाना सही है या इससे बिजली का बिल ज्यादा आता है। कुछ लोग तो यह भी मानते हैं कि पंखा चलाने से एसी पर दबाव बढ़ता है और मशीन खराब हो सकती है। लेकिन सच इसके बिल्कुल उलट है। एसी और पंखा एक-दूसरे के दुश्मन नहीं, बल्कि अच्छे साथी हैं। अगर इन्हें सही तरीके से साथ इस्तेमाल किया जाए तो कमरा जल्दी ठंडा होता है, एसी पर ज्यादा लोड नहीं पड़ता और बिली की खपत भी कम हो जसकती है।

कूलिंग क्यों नहीं होती

गर्मियों में कमरा काफी गर्म रहता है और ऐसे में अगर आप एसी 16-21-24 पर चलाते हैं, तो उस पर लोड ज्यादा पड़ता है और कूलिंग मन-मुताबिक नहीं होती। जब एसी पर लोड बढ़ेगा तब बिजली की खपत भी होगी और यही कारण है कि आपका बिल ज्यादा आता है।

एसी-पंखा साथ चलाने से क्या होगा?

मान लीजिए कि आपने सिर्फ एसी चलाया हुआ है, जो कमरे की हवा को धीरे-धीरे ठंडा कर रहा है। इस प्रोसेस में समय लगेगा और करीब आधे-1 घंटे के बाद कमरा ढंग से ठंडा होगा। अगर फौरन चिल्ड करना चाहेंगे तो एसी को लो टेंपरेचर पर रखना पड़ेगा। लेकिन अगर आप साथ में 2-3 नंबर पर पंखा चला लेते हैं, तो ये कमरे की कोने-कोने की हवा को ठंडा करने में जल्दी मदद करेगा। अगर आप 24 नंबर पर एसी चला रहे हैं और साथ में 3 नंबर पर पंखा, तो कमरा जल्दी ठंडा होगा और एसी पर ज्यादा लोड नहीं आएगा।

बिजली बिल कैसे बचेगा

जब आप कम स्पीड में एसी चलाएंगे तो बिजली का बिल खुद ही कम आएगा और एयर कंडीशनर की मशीन पर लोड भी कम पड़ेगा। पंखे के साथ आप एसी का टेंपरेचर 24-25-26 पर रख सकते हैं और ऐसे में आपका रूम बिल्कुल चिल्ड हो जाएगा।

रात में सुकून की नींद

कई लोग एसी रातभर चलाते हैं, तो कमरे में नमी बनी रहती है या अजीब सी महक के कारण सो नहीं पाते। पंखा साथ में चलाते हैं, तो एसी से कमरे में नमी नहीं होगी और चैन की नींद आएगी। पंखे की हवा से एसी कमरे को कुछ ही देर में ठंडा कर देगा और नमी गायब हो जाएगी।

कूलिंग टिप्स

अगर आपका कमरा काफी बड़ा है, तब आप ये तरीका अपनाकर देखें। अगर कमरा छोटा। ये दोनों चीजें आपको बेहतर कंफर्म और बैलेंस्ड है, तो एसी को 22 पर सेट करके कुछ देर के लिए चलाएं और पंखा बंद रखें। इसके बाद हल्का पंखा चलाकर एसी का टेंपरेचर कम करें। साथ ही एसी चलाने से पहले कमरे की खिड़कियां, दरवाजे बंद करें, जिससे हवा बाहर न जाएं और कमरा जल्दी कूल होकूलिंग देंगे।

पतले दूध में मलाई पतली जमती है या फिर जम ही नहीं पाती। अगर आप भी फुल क्रीम दूध नहीं खरीदते हैं, तो हम आपको पतले दूध में गाढ़ी मलाई जमाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। इसके बाद आप डेयरी हो या फिर बाजार का पतला दूध सभी में रोटी जितनी मोटी मलाई जमा लेंगे।

बाजार वाले पतले दूध से भी निकलेगी रोटी जितनी मोटी मलाई!

दूध हर घर में आता है और उससे मलाई निकालकर घी भी बनाया जाता है। कई लोग मलाई ऐसे ही निकालते हैं, जो खाने या फिर कुछ और बनाने के काम में आए। लेकिन अगर आप डेयरी या फिर बाजार से पतला वाला दूध खरीदते हैं, तो मोटी मलाई का निशान दूर-दूर तक नहीं रहता। इन दूध में पतली मलाई जमती है, जो किसी काम की नहीं होती। अगर आप भी पतली मलाई जमने से परेशान रहती हैं, तो अब एक ट्रिक अपनाकर पतले और पानी मिले दूध से भी रोटी जितनी मोटी मलाई जमा सकती हैं। कई महिलाएं दूध में सिर्फ 1 चम्मच खास चीज मिलाकर मलाई को ज्यादा गाढ़ा और मोटा बना लेती हैं। खास बात ये है कि इसके लिए ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती।

दूध कैसे उबालें

अक्सर हम दूध को तेज आंच पर चढ़ा देते हैं और एक उबाल आते ही गैस बंद कर देते हैं। ऐसा करने से दूध अच्छी तरह पक नहीं पाता, और यही वजह होती है कि उस पर मोटी मलाई नहीं जमती। अगर आप चाहती हैं कि दूध पर बाजार जैसी गाढ़ी मलाई जमे, तो सबसे पहले दूध को हमेशा धीमी आंच पर पकाना शुरू करें। भले ही इसमें थोड़ा ज्यादा समय लगे, लेकिन धीमी आंच पर दूध अच्छे से खौलता है और उसका टेक्सचर भी बेहतर हो जाता है। जब दूध धीरे-धीरे पकते हुए पहली उबाल लेने लगे, तभी आपको अपनी सीक्रेट ट्रिक अपनानी है। इसी स्टेज पर थोड़ा-सा मिल्क पाउडर मिलाने से दूध में फैट और सॉलिड्स बढ़ जाते हैं, जिससे बाद में मलाई ज्यादा मोटी और गाढ़ी जमती है। यही छोटा-सा तरीका पतले दूध को भी मलाईदार बना देता है।

क्या मिलाना है

दूध जब हल्की पहली उबाल लेने लगे, तब उसमें 1 चम्मच मिल्क पाउडर मिला दें। मिल्क पाउडर का स्वाद दूध में महसूस नहीं होगा, लेकिन इससे मलाई काफी गाढ़ी और मोटी जमेगी। मिल्क पाउडर डालने के बाद दूध को चम्मच से अच्छी तरह चलाएं और फिर दूसरी उबाल आने दें। इसके बाद गैस बंद कर दें और दूध को ठंडा होने दें। फिर इसे फ्रिज में रख दें। कुछ घंटों बाद आप देखेंगे कि पतले दूध पर भी मोटी मलाई जमकर ऊपर तैर रही है।

क्यों काम करती है ये ट्रिक?

मिल्क पाउडर दूध में फैट और सॉलिड्स बढ़ाने का काम करता है। इसी वजह से मलाई ज्यादा और मोटी जमती है। अगर आप फुल क्रीम दूध नहीं लेते, तो यह तरीका सबसे आसान और असरदार है। बस ध्यान रखें कि दूध को बार-बार न चलाएं और ठंडा होने के तुरंत बाद फ्रिज में रख दें। यह तरीका आप डेयरी वाले दूध के साथ भी आसानी से आजमा सकती हैं।

नींबू के छिलकों से आपकी तुलसी होगी घनी और स्वस्थ!

घर में लगी तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि आस्था, सेहत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। लेकिन अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनकी तुलसी ठीक से बढ़ नहीं रही, पत्तियां पीली पड़ जाती हैं या पौधा बार-बार सूखने लगता है। ऐसे में लोग महंगे फर्टिलाइजर और केमिकल का सहारा लेते हैं, जबकि इसका आसान और मुफ्त समाधान आपके किचन में ही मौजूद होता है नींबू के छिलके।

क्यों खास है नींबू के छिलकों का इस्तेमाल?

अक्सर हम नींबू का रस निकालने के बाद उसके छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन यही छिलके तुलसी के लिए किसी नेचुरल टॉनिक से कम नहीं हैं। इनमें मौजूद सिट्रस ऑयल, एंटी-बैक्टीरियल गुण और पोषक तत्व पौधे की ग्रोथ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

कीड़ों से बचाने का प्राकृतिक तरीका

तुलसी के पौधे पर छोटे-छोटे कीड़े या चींटियां लग जाना एक आम समस्या है। नींबू के छिलकों की तेज खुशबू इन कीड़ों को दूर भगाने में मदद करती है। जब आप इन्हें मिट्टी में डालते हैं, तो यह एक नेचुरल कीटनाशक की तरह काम करते हैं और पौधे को सुरक्षित रखते हैं।

मिट्टी को बनाते हैं ज्यादा उपजाऊ

तुलसी के पौधे को हल्की एसिडिक मिट्टी पसंद होती है। नींबू के छिलके मिट्टी के श्व॥ स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं, जिससे जड़ें पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाती हैं। इसका असर यह होता है कि पौधा तेजी से बढ़ता है और ज्यादा हरा-भरा दिखाई देता है।

फंगस और सड़न से बचाव

अधिक पानी या नमी के कारण तुलसी की जड़ों में फंगस लगने की समस्या हो सकती है। नींबू के छिलकों में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण इस समस्या को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, यह मिट्टी में आने वाली बदबू को भी दूर कर देते हैं और उसे ताजा बनाए रखते हैं।

इस्तेमाल करने के आसान तरीके

नींबू के छिलकों का सही फायदा पाने के लिए इन्हें सीधे इस्तेमाल करने के बजाय कुछ आसान तरीकों को अपनाना बेहतर होता है। आप छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर गमले की मिट्टी में हल्का दबा सकते हैं। दूसरा तरीका है, इन्हें 2-3 दिन पानी में भिगोकर उस पानी को छान लें और पौधे में डालें यह एक लिक्विड फर्टिलाइजर की तरह काम करता है। अगर लंबे समय तक इस्तेमाल करना हो, तो छिलकों को सुखाकर पीस लें और महीने में एक बार मिट्टी में मिला दें।

इस्तेमाल करते समय रखें ये सावधानियां

ध्यान रखें कि नींबू के छिलकों का ज्यादा इस्तेमाल भी नुकसान कर सकता है। हफ्ते में एक बार से ज्यादा इसका प्रयोग न करें। अगर मिट्टी पहले से ज्यादा एसिडिक है, तो इसका उपयोग करने से बचें। साथ ही, छिलकों को हमेशा मिट्टी के अंदर दबाकर रखें, ताकि ऊपर फंगस न लगे।

गर्मियों में शिशुओं की सेहत का रखें ख्याल, खिलाएं ये खाना

गर्मियों का मौसम में बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, खास कर छोटे बच्चों का। ऐसे में पेरेंट्स अक्सर सोचते है कि बच्चों का ध्यान कैसे रखा जाएं, उन्हें गर्मियों मे खाने के लिए क्या दिया जाएं। जिससे बच्चों का शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटिड रहे। गर्मियों में शिशुओं (0-1 साल) का आहार हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला होना चाहिए। लेकिन क्या खिलाना है, यह बच्चे की उम्र (6 महीने से कम या ज़्यादा) पर निर्भर करता है। चलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चों को गर्मी में क्या खिलाना चाहिए?

छोटे बच्चों को गर्मियों में कैसा खाना खिलाए?

गर्मियों में शिशुओं को हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला आहार खिलाना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने के लिए हल्के, आसानी से पचने वाले और पानी से भरपूर खाने की जरूरत होती है। बच्चों को भारी खाना नहीं खिलाना चाहिए, उन्हें हल्का और जल्दी पचने वाला खाना खिलाना चाहिए।

6 महीने से कम उम्र के बच्चों को क्या दें?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 6 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए तो मां का दूध ही काफी होता है। क्योंकि इसमें पहले से ही सही मात्रा में पानी और पोषक तत्व होते हैं। जब तक डॉक्टर शिशु को पानी पिलाने की सलाह न दे, उन्हें पीने के लिए पानी भी नहीं देना चाहिए।

6 महीने से ज्यादा के बच्चों को क्या खिलाना चाहिए?

जब बच्चा 6 महीने से ज्यादा का हो जाए तो आप धीरे-धीरे ठोस आहार शुरू कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, चावल का पानी , मूंग दाल की पतली खिचड़ी, दलिया (हल्का और पतला), फल (अच्छी तरह मैश करके), केला, सेब (उबालकर या स्टीम करके), पपीता, तरबूज (बीज निकालकर, कम मात्रा में) आप बच्चों को ये आहार दे सकते है।

बच्चों को सब्जियां खिलाएं

बच्चों को उबली और मैश की हुई सब्जियां खिलानी चाहिए। जैसे, गाजर, लौकी, कद्दू, आलू।

बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए ये भी दें

बच्चों को गर्मी में उबला और ठंडा किया हुआ पानी (6 महीने बाद), घर का बना छाछ (बहुत पतला, थोड़ा सा), नारियल पानी (कम मात्रा में, डॉक्टर की सलाह से) दें।

गांवों में बसती है भारत की आत्मा : धामी

मुख्यमंत्री ने किया पंचायत जनप्रतिनिधियों से जन संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : विकासखण्ड सभागार खटीमा में जन जन की सरकार, मुख्यमंत्री संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायत व निकाय जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आत्मा हमारे गांवों में बसती है और देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब हमारे गांव और कस्बे सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि यदि गांव विकसित होंगे, तो राज्य और राष्ट्र स्वतः ही विकास ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जहां एक ओर एक जनपद, दो उत्पाद योजना और हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से अपने पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलाने का काम कर रहे हैं। वहीं, स्टेट मिलेट मिशन, फार्म मशीनरी बैंक, एप्पल मिशन, नई पर्यटन नीति, नई फिल्म नीति, होम स्टे, वेड इन उत्तराखंड और सौर स्वरोजगार योजना जैसी पहलों के माध्यम से हम प्रदेश की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए व्यापक रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी पहलों ने न केवल हमारी ग्रामीण आर्थिकी को सशक्त किया है, बल्कि स्थानीय युवाओं को उनके गांव में ही रोजगार के अवसर प्रदान कर पलायन पर भी प्रभावी अंकुश लगाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हम आज जहां एक ओर प्रदेश की लाखों महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रहे हैं। साथ ही रूरल बिजनेस इनक्यूबेटर सेंटर योजना के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और उद्यमिता को भी निरंतर प्रोत्साहित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा और टनकपुर के बीच एक भव्य सैन्य स्मारक भी बनाने जा रहे हैं, जिस पर जल्द ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सड़कों पर कब्जा कर धार्मिक आयोजन करने वालों के लिए सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं जिसके अंतर्गत हमने यातायात को बाधित कर सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगाई है। इसके अलावा, हाल ही में हमारी सरकार ने राज्य में नया कानून लागू कर मदरसा बोर्ड को भी समाप्त करने का निर्णय लिया है। जिसके अंतर्गत अब उत्तराखंड में केवल वही मदरसे संचालित हो पाएंगे, जिनमें हमारे सरकारी बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में अवैध रूप से संचालित लगभग 250 से अधिक मदरसों को भी बंद करवाया है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि राज्य में शिक्षा के मंदिर स्थापित हों, जहां तय मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए, न कि शिक्षा के नाम पर बच्चों को अलगाववादी मानसिकता की ओर धकेला जाए।

बड़कोट क्षेत्र के जंगलों में फिर से भड़की आग

उत्तरकाशी। तहसील क्षेत्र के पौंटी, बगासू और कंसेरु के जंगलों में लगी आग सोमवार दोपहर बाद तेज आंधी-तूफान के कारण और अधिक भड़क उठी। तेज हवाओं से आग तेजी से फैलने लगी जिससे आसपास के क्षेत्रों में धुआं छा गया। स्थानीय लोगों ने वन विभाग पर निष्क्रिय होने का आरोप लगाया। कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण जंगल लगातार जल रहे हैं। आग की लपटें कई स्थानों पर जंगलों से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती दिखाई दीं जिससे लोगों में भय और चिंता का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर मानवीय लापरवाही के कारण जंगलों में आग लग रही है इसलिए ऐसे लोगों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। आग के बढ़ने से तहसील और ब्लॉक मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में धुंध जैसी स्थिति बन गई। धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा। उन्होंने शीघ्र ही विभाग से आग को बुझाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आग नहीं बुझाई गई तो इससे जंगलों के साथ-साथ जनजीवन और वन्यजीवों को भी भारी नुकसान हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

चाकू की नोक पर मोबाइल लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। सिडकुल थाना पुलिस ने चाकू के बल पर मोबाइल लूटने वाले बाइक सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 22 मई को अंगद प्रसाद साहू निवासी ग्राम सकरिया थाना गौपारू मध्य प्रदेश, हाल निवासी नवोदय नगर चौक सिडकुल ने तहरीर देकर बताया था कि आईएमसी चौक पर मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उसका रास्ता रोककर मोबाइल फोन लूट लिया। पुलिस ने चेकिंग अभियान आरोपी हसन निवासी ग्राम जंगबहादुरगंज थाना पशिगामा जिला लखीमपुर खीरी यूपी, हाल निवासी बदायूं हाउस निकट फिनो बैंक रावली महदूद सिडकुल और आशु निवासी शिव मंदिर के पास रावली महदूद थाना सिडकुल, हाल निवासी आर्यन हेरिटेज स्कूल के निकट ग्राम आनेकी थाना सिडकुल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, चाकू और लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया।

डायल 112 की सूचना पर सल्ट पुलिस ने सुलझाया घरेलू विवाद

अल्मोड़ा। थाना सल्ट क्षेत्र में घरेलू विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति–पत्नी की काउंसलिंग कर मामला शांतिपूर्वक सुलझाया। पुलिस की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई पर महिला ने पुलिस का आभार जताया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डायल 112 पर एक महिला ने सूचना दी कि उसका पति आए दिन उससे झगड़ा करता है और रविवार को भी विवाद कर रहा है। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष सल्ट कश्मीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद मौके पर ही काउंसलिंग की। इस दौरान पति–पत्नी को आपसी संवाद बनाए रखने, पारिवारिक सौहार्द कायम रखने और भविष्य में विवाद से बचने की सलाह दी गई। पुलिस की समझाइश के बाद दोनों पक्ष शांत हो गए और मामला सुलझ गया। महिला ने सल्ट पुलिस और डायल 112 सेवा की सराहना करते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया। अल्मोड़ा पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति, घरेलू विवाद या महिला सुरक्षा से जुड़ी समस्या होने पर बिना संकोच डायल 112 पर सूचना दें।

लमगड़ा पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को नैनीताल से पकड़ा

अल्मोड़ा। न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट में फरार चल रहे एक अभियुक्त को लमगड़ा पुलिस ने नैनीताल से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' अभियान के तहत जिलेभर में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने वाद संख्या 1087/23 में धारा 223, 504, 506 और 509 भादवि से संबंधित अभियुक्त कुंदन सिंह पुत्र गुलाम सिंह निवासी आराखेत पुभाऊलमगड़ा, हाल निवासी डंगवाल भवन जू रोड नैनीताल को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था। लगातार तलाश और सुरागरसी के बाद पुलिस टीम ने रविवार को टूटा पहाड़ पाइन्स रोड नैनीताल से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

शराब पीकर कार चला रहे चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जिले में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' अभियान के तहत चौखुटिया पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चला रहे एक चालक को गिरफ्तार कर उसकी कार सीज कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर जिलेभर में ओवरलोडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने, रैश ड्राइविंग और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को प्रभारी निरीक्षक चौखुटिया अशोक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कार संख्या यूके04–एक्यू–5220 का चालक गौरव मेहरा निवासी जमराड़ छीतार चौखुटिया शराब के नशे में बिना सीट बेल्ट लगाए लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए मिला। पुलिस ने चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया तथा वाहन को सीज कर दिया।

लोक भाषा, लोक संस्कृति को भी नुकसान पहुचा रहा पलायन

पिथौरागढ़। नगर में आदलि कुशलि कुमाउनी मासिक पत्रिका ने मासिक विचार गोष्ठी व काव्य पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान वक्ताओं ने पलायन के कारण क्षेत्र की लोकभाषाओं व लोक संस्कृति पर पड़ रहे दुष्प्रभाव पर चिंता जताई। कहा कि सरकारें यदि समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार व कृषि–पशुपालन की सुविधाएं लोगों को उपलब्ध करा पातीं तो पहाड़ से इस कदर पलायन न होता। रचना शर्मा, दिनेश भट्ट, डॉ आनंदी जोशी, लक्ष्मी आर्या, मुन्नी पांडेय, अनीता जोशी, उमा पाटनी, रेनू शर्मा, रोहित टम्टा, गोविंद बिष्ट, प्रकाश चंद्र प्रतीक, भुवन सनवाल, डॉ. दीप चौधरी, तनुज भट्ट, मनोज जोशी आदि ने अपनी कविताओं के जरिए सामाजिक कुरीतियों, समस्याओं को उठाया।गोष्ठी चिन्तामणि जोशी की अध्यक्षता में हुई।

पर्यटकों के लिए रात में भी खोले जाए पंप

पिथौरागढ़। सोशल वैलफेयर सोसायटी ने प्रशासन से आदि कैलास ओम पर्वत, मुनस्यारी आदि पर्यटक स्थलों में भीड़ को देखते हुए रात में भी पंप खुले रखने की मांग की है। सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश चंद्र पुनेठा के नेतृत्व में सदस्यों ने इस संबंध में डीएम को ज्ञापन दिया।

पेड़ गिरने से गंगोत्री हाईवे और पुरोला मोरी सड़क पर आवाजाही हुई बंद

उत्तरकाशी। सोमवार को गंगोत्री हाईवे पर गंगनानी से एक किमी की दूरी पर पहाड़ी से अचानक एक पेड़ सड़क पर गिर गया जिससे आवाजाही रोकी गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद एनडीआरएफ के जवानों ने पेड़ को काटकर हटाया। उसके बाद आवाजाही सुचारू की गई। दूसरी ओर मोरी के गड़ूगाड़ क्षेत्र में आए तेज अंधड़ और तूफान के चलते सात किलोमीटर पहले भद्रासू क्षेत्र में एक पेड़ सड़क पर गुजर रही कार के ठीक सामने गिर पड़ा। चालक की सतर्कता और सूझबूझ से बड़ा हादसा बच गया। दूसरी घटना मोरी बैरियर से करीब दो किमी आगे जरमोला की ओर निर्माणाधीन पेट्रोल पंप के पास भी एक पेड़ सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से मोरीझपुरोला मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया और सड़क के दोनों ओर दर्जनों छोटे–बड़े वाहन फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची व काफी मशक्कत के बाद पेड़ों को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया।

अब टीवी की स्क्रीन पर भी आएंगे अलर्ट

डीटीएच के जरिये मिलेंगे आपदा संबंधी अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : अब डीटीएच के माध्यम से भी विभिन्न आपदाओं के एलर्ट आम जनमानस को प्राप्त होंगे। उत्तराखण्ड राज्य में अर्ली वार्निंग सिस्टम को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने की दिशा में डीटीएच प्लेट-फॉर्म के जरिये टेस्ट अलर्ट का सफल प्रसारण किया गया है। प्रथम चरण में यह प्रसारण जनपद देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर में किया गया।

परीक्षण के दौरान टाटा प्ले, एयरटेल, डीटीएच, डी2एच एवं डिश टीवी जैसे प्रमुख डीटीएच प्लेटफॉर्म पर टीवी स्क्रीन में टेस्ट अलर्ट संदेश प्रदर्शित हुआ। यह संदेश लगभग 15 से 40 सेकंड तक स्क्रीन पर दिखाई दिया। इस प्रणाली के माध्यम से आपदा एवं मौसम संबंधी चेतावनियों का कुछ ही सेकंड में व्यापक स्तर पर प्रसारण संभव हो सकेगा। टेलीविजन स्क्रीन पर सीधे संदेश प्रदर्शित होने से लोगों का तत्काल ध्यान आकर्षित होगा तथा फ्लैश फ्लड, भूस्खलन, भारी वर्षा, आकाशीय बिजली एवं लू जैसी घटनाओं से पूर्व समय रहते लोगों को सतर्क किया जा सकेगा। समय पर अलर्ट प्राप्त होने से जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संभावित नुकसान को कम करने में सहायता मिलेगी। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि उत्तराखण्ड भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राज्य है, जहां समय पर चेतावनी का आमजन तक पहुंचना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डीटीएच आधारित अलर्ट प्रणाली आपदा पूर्व चेतावनी तंत्र को और अधिक व्यापक, त्वरित एवं प्रभावी बनाएगी। राज्य सरकार आधुनिक तकनीकों के उपयोग से अर्ली वार्निंग सिस्टम को लगातार सुदृढ़ कर रही है, ताकि किसी भी आपदा अथवा गंभीर मौसमीय परिस्थिति में समय रहते सटीक सूचना उपलब्ध कराकर जनहानि एवं नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। गौरतलब है कि विगत 02 मई को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा सी-डॉट द्वारा उत्तराखण्ड सहित पूरे देश में सेल ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के माध्यम से एलर्ट भेजे जाने का सफल परीक्षण किया गया। इस तकनीक के माध्यम से किसी भी आपदा की स्थिति में, प्रभावित क्षेत्र में सक्रिय सभी मोबाइल टावरों की सीमा में आने वाले उपभोक्ताओं को सेल ब्रॉडकास्टिंग तकनीक के माध्यम से स्वतः अलर्ट प्राप्त होगा। यह प्रणाली स्थान-विशिष्ट चेतावनी प्रसारण को सक्षम बनाती है, जिससे केवल प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों को ही संदेश प्राप्त होता है और अनावश्यक भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियां तेज, डीएम ने किया निरीक्षण

अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 27 मई को प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सोमवार को कार्यक्रम स्थल उदय शंकर नृत्य अकादमी फलसीमा का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बताया कि उदय शंकर नृत्य अकादमी में एसडीजी अचीवर्स अवार्ड वितरण समारोह आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम को लेकर आगंतुकों के बैठने, मंच व्यवस्था और अवार्ड वितरण समेत विभिन्न कार्यों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने अधिकारियों से सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित और सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रावली महदूद में अवैध प्लाटिंग और निर्माण पर प्राधिकरणकी कार्रवाई

हरिद्वार। हरिद्वार–रुड़की विकास प्राधिकरण ने रावली महदूद क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और निर्माण कार्यों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई निर्माण ध्वस्त कर और स्थलों को सील कर दिया। कर सील कर दिए। प्राधिकरण के अनुसार ज्वालापुर क्षेत्र की रामधाम कॉलोनी में अर्जुन सिंह की ओर से करीब नौ से दस बीघा भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी। इसके अलावा रामधाम कॉलोनी में ही करीब चार से पांच बीघा क्षेत्र में प्लाटिंग के साथ लगभग 15 गुणा 15 फीट क्षेत्रफल में निर्माण कार्य कराया जा रहा था। वहीं, गुरु कृपा स्वीट्स के सामने सुखवीर सिंह की ओर से करीब दो बीघा भूमि पर अवैध प्लाटिंग और लगभग 15 गुणा 20 फीट क्षेत्रफल में निर्माण कार्य किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि सभी मामलों में संबंधित लोगों के खिलाफ अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत वाद दर्ज किए गए थे। लगातार नोटिस और निर्देश देने के बावजूद निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया।

बकरीद को लेकर पुलिस अलर्ट

शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

हरिद्वार। ईद–उल–जुहा (बकरीद) पर्व को सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए बहादराबाद और सिडकुल थाना क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन की ओर से गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों से बचने और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट साझा न करने की अपील की। बहादराबाद कस्बा बाजार और चौकी शांतर्शाह परिसर में आयोजित गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर संजय चौहान ने कहा कि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दिया जाए और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित करने से बचा जाए।

प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि पर्व को लेकर थाना क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से किसी भी समस्या की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। गोष्ठी में प्रधान नीरज चौहान, प्रधान मेंहदी हसन, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष मुतालिब अली, छोटा, इदरीश समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं, थाना सिडकुल में भी बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी अजय शाह लोगों से सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक पोस्ट से बचने की अपील की।

रानीखेत में जंगल की आग पर फायर टीम की त्वरित कार्रवाई

अल्मोड़ा। रानीखेत फायर स्टेशन की टीम ने रविवार को विभिन्न स्थानों पर लगी जंगल की आग पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया।

कई स्थानों पर समय रहते कार्रवाई कर वाहन और आबादी को सुरक्षित बचाया गया। फायर विभाग के अनुसार दोपहर 3:02 बजे सड़ना क्षेत्र में वाहन संख्या यूके04सीए9981 के सड़क पर पलटने और पास में जंगल की आग फैलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची फायर यूनिट ने हाई प्रेशर होज रील की सहायता से आग बुझाकर वाहन को सुरक्षित बचा लिया। शाम 5:57 बजे मजखाली क्षेत्र में जंगल में आग लगने की सूचना मिली। आग सड़क से दूर होने के कारण फायर वाहन मौके तक नहीं पहुंच सका, जिसके बाद वन विभाग को तत्काल सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई के लिए अवगत कराया गया। रात 8:40 बजे ताड़ीखेत पन्याली क्षेत्र में जंगल की आग आबादी की ओर बढ़ने की सूचना पर फायर टीम मौके पर पहुंची।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को पूरी तरह बुझा दिया और बड़ा हादसा टाल दिया। इसके बाद रात 9:54 बजे मजखाली क्षेत्र में फिर से जंगल में आग लगने की सूचना मिली। फायर सर्विस यूनिट ने मौके पर पहुंचकर मिनी हाई प्रेशर होज रील की मदद से आग पर काबू पाया। फायर विभाग ने बताया कि लगातार सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते जन–धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

जिला चयन समिति की बैठक में 10 आवेदन का हुआ चयन

हरिद्वार। रोशनाबाद स्थित विकास भवन सभागार में पर्यटन विभाग की ओर से वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के अंतर्गत जिला चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर विचार करते हुए आवेदकों के साक्षात्कार लिए गए। योजना के तहत वाहन मद में नौ और गैर वाहन मद में दो आवेदन प्राप्त हुए थे। जिला अनुश्रवण समिति के समक्ष सभी आवेदन प्रस्तुत किए गए। निरीक्षण और परीक्षण के बाद समिति ने वाहन मद में नौ और गैर वाहन मद में एक आवेदन को स्वीकृति प्रदान की, जबकि एक आवेदन पात्रता पूरी न होने पर निरस्त कर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल को निर्देश दिए कि स्वीकृत आवेदन पत्रों को संबंधित बैंकों को तत्काल भेजा जाए। उन्होंने अग्रणी जिला प्रबंधक को भी समयबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जाए। साथ ही अधिकारियों को जनता के बीच स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के निर्देश भी दिए। जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल ने बताया कि योजना के तहत वाहन संबंधी और गैर वाहन संबंधी कई गतिविधियों को शामिल किया गया है। इनमें होटल, फास्ट फूड सेंटर, योग एवं ध्यान केंद्र, साहसिक पर्यटन, हस्तशिल्प केंद्र, तंबू आवास, बेकरी, लॉन्ड्री, कयाकिंग, कारवां पर्यटन और ट्रेकिंग उपकरण किराये पर देने जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य उत्तराखंड को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाना और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है।

पिल्ला गैंग के चार आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। कनखल पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत कुख्यात पिल्ला गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन आरोपियों को जेल भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। भूपतवाला से लेकर लक्सर तक फैले गैंग के अब तक 15 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। कनखल क्षेत्र में पिछले कुछ समय से युवकों के बीच मारपीट और दबंगई की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में सादे कपड़ों में पुलिस टीमों को जगजीतपुर, पीठ पुलिया, फुटबॉल ग्राउंड और गुरुकुल कांगड़ी क्षेत्र में सक्रिय किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि 10 अप्रैल को कनखल निवासी कुलदीप कुमार ने बेटे के साथ हुई मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि गुरुकुल कांगड़ी क्षेत्र में पिल्ला गैंग के सदस्यों ने युवक को घेरकर बेरहमी से पीटा। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए सक्षम उर्फ सावन निवासी विकास कॉलोनी पुराना रानीपुर मोड़, राजकुमार उर्फ जौंग निवासी जमालपुर कनखल और नितिश कुमार उर्फ साजन उर्फ खबड़ा निवासी जगजीतपुर को गिरफ्तार कर लिया।

पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों पर विधायक मनोज तिवारी ने सरकार को घेरा

अल्मोड़ा। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम जनता, किसान, व्यापारी और मध्यम वर्ग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कई बार वृद्धि हो चुकी है, जिससे ईंधन की कीमतें लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने के बावजूद सरकार उसका लाभ जनता तक नहीं पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में पहले से ही परिवहन महंगा है

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

रहाणे अभी आईपीएल खेलते रहेंगे, संन्यास के संकेत नहीं दिये

कोलकाता।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल के 19 वें सत्र में यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। केकेआर का इस सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और टीम लीग स्तर के 14 मैचों में से केवल 6 ही जीता पायी जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इससे 13 अंक लेकर वह 7वें स्थान पर रही। रहाणे की कप्तानी में ये लगातार दूसरा सत्र है जब टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। टूर्नामेंट से टीम के बाहर होने के बाद रहाणे से जब उनके भविष्य की योजना को बारे में पूछा गया तो उन्होंने संन्यास के कोई संकेत नहीं दिये। उन्होंने कहा, ÷मेरे लिए बस कुछ दिनों का ब्रेक है। मैं मुंबई में अपनी स्थानीय लीग खेलने जा रहा हूं जिसके लिए मैं उत्साहित हूं। मैं तब तक खुश हूं जब तक मैं क्रिकेट खेल रहा हूं। कुछ दिनों के बेक्र के बाद फिर फिर मैदान में आउंगा।÷ इससे साफ है कि वि अभी खेलते रहेंगे। रहाणे ने कहा कि सत्र समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ियों के साथ एक बैठक होगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि फिलहाल खिलाड़ियों की अपनी प्रतिबद्धताएं हैं।

आईपीएल प्लेऑफ प्रारुप इस प्रकार करता है काम

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेअ (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें लीग स्टेज में शीर्ष पर रही चार सर्वश्रेष्ठ चार टीमें खिताब के लिए टकरायेगी। ये प्रारुप पारंपरिक सेमीफाइनल प्रणाली से अलग है और इसमें प्लेऑफ के ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत करने और खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए लाया गया है। ये प्रारुप इस प्रकार काम करता है।

जहां आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट्स में सेमीफाइनल होते हैं। वहीं प्लेऑफ की प्रणाली ऐसी है कि एक हार के बाद भी टीम को अवसर मिलता है। जिससे एक खराब दिन के कारण कोई टीम बाहर नहीं हो सकती। इसमें कुल चार मुकाबले होते हैं– क्वालीफायर 1, एलिमिनेटर, क्वालीफायर 2 और फाइनल।

क्वालीफायर 1 अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर 1 खेलती हैं। इस मैच का विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाता है, जबकि हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया जाता। उसे अपनी किस्मत आज़माने का एक और मौका मिलता है, और वह क्वालीफायर 2 में जाती है। यह शीर्ष दो में रहने का सबसे बड़ा लाभ है।

एलिमिनेटर– नंबर तीन और चार पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होता है। यह नॉक आउट मैच होता है। इसमें हारने वाली टीम का सफर तुरंत खत्म हो जाता है। वहीं जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में प्रवेश करती है।

क्वालीफायर 2– यह फाइनल में पहुंचने का अंतिम रास्ता है। इसमें क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर की विजेता टीम खेलती है। इसमें जीतने वाली टीम फाइनल में जाती है, जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाती है।

इससे साफ है कि लीग में केवल शीर्ष 4 में आना ही काफी नहीं, बल्कि शीर्ष -2 में जगह बनाना सबसे लाभदायक है। ऐसे में फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलते हैं।

इसके विपरीत, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के लिए राह बेहद चुनौतीपूर्ण होती है; उन्हें ट्रॉफी जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं, एक भी हार उन्हें बाहर कर देती है।

इस प्रकार हुई शुरुआतआईपीएल ने अपने शुरुआती तीन सीज़न (2008-2010) में पारंपरिक सेमीफाइनल प्रारुप का इस्तेमाल किया था। लेकिन ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद एक खराब दिन के कारण बाहर होने वाली टीमों को राहत देने दे प्रारुप शुरु किया गया। इसी को ध्यान में रखते हुए, 2011 में आईपीएल में पहली बार प्लेऑफ प्रारुप को पेश किया गया।

यह इतना सफल और रोमांचक साबित हुआ कि आज ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश सहित दुनिया भर की कई अन्य क्रिकेट लीग भी इसी प्रारुप के आधार पर चल रही हैं।

फ्रेंच ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस ।

सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रौला गैरा में शुरु हुए फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। जोकोविच ने पहले ही दी दौर में मेजबान देश के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यह बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच ने एकसाथ कई नए रिकॉर्ड भी बनाये। इस मैच की शुरुआत जोकोविच के लिए आसान नहीं रही। युवा पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से उन्हें पहले सेट में एक भी ब्रेक अंक नहीं दिया। पेरीकार्ड ने जोकोविच की सर्विस तोड़कर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जोकोविच को संघर्ष करना पड़ा और वह शुरुआत में नौ ब्रेक पॉइंट में से एक भी भुना नहीं पाए। हालांकि, महत्वपूर्ण पलों में अपनी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच ने वापसी की। 5-6 के स्कोर पर पेरीकार्ड ने तीन सेट अंक बचाये, लेकिन

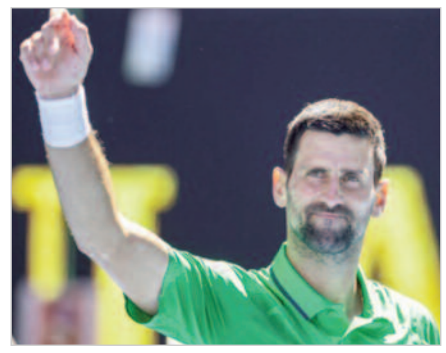

एक लंबी रैली के बाद उनका फोरहैंड पासिंग शॉट कोर्ट से बाहर चला गया, और जोकोविच ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद, जोकोविच ने और पेरीकार्ड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे सेट को 6-1 और चौथे को 6-4 से जीतकर उन्होंने कुल 2 घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम किया।

मिलर की एक गलती से दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के हाथ से निकला प्लेऑफ का अवसर

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2026 के इस सत्र में सीज़न दिल्ली कैपिटल्स के लिए की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी। दिल्ली की टीम को किस्मत का भी साथ नहीं मिला और प्लेऑफ की दौड़ से उनका बाहर होना केवल एक रन के अंतर से हुआ। डेविड मिलर का एक गलत फैसला भी इसका कारण बना। लीग की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले दो मैच जीते थे। उनका तीसरा मुकाबला गुजरात टाइटन्स के खिलाफ था, जो बेहद रोमांचक रहा। 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स जीत के बेहद करीब थी। अंतिम ओवर में जीत के लिए उसे 13 रनों की ज़रूरत थी, और गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाज़ी कर रहे थे। पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़कर लगाया पर अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। नए बल्लेबाज़ कुलदीप यादव ने तीसरी गेंद पर एक रन लिया, जिसके बाद सारी उम्मीदें अनुभवी बल्लेबाज़ डेविड मिलर पर आ गईं। चौथी गेंद पर मिलर ने एक ज़ोरदार छक्का लगाया जिससे मैच दिल्ली के पाले में आ गया। ऐसे में अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए सिर्फ़ दो रन चाहिए थे, और मिलर क्रीज़ पर थे। मिलर ने शॉट खेला पर रन नहीं लिया। इस एक गलती से टीम के हाथ से मैच निकल गया क्योंक इसके बाद एक बाई रन लेने के प्रयास में कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली कैपिटल्स मुकाबला एक रन से हार गयी।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्चर ने 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसी के साथ ही आर्चर के आईपीएल 2026 सत्र में कुल 21 विकेट हो गये हैं। वे अब 14 मुकाबलों में 21 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 14 मुकाबलों में 24 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा इतने ही मुकाबलों में 24 विकेट विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जोफ्रा आर्चर अब 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप के लिए गुजरात के सुदर्शन नंबर एक पर हैं। उनके नाम 14 मुकाबलों में

157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 14 मुकाबलों में 593 रनों के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 583 रनों के साथ शीर्ष पांच में अपनी जगह बनाए हुए हैं

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2026 में सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम बनी सनराइजर्स हैदराबाद

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसमें सनराइजर्स हैदराबाद टीम सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम के तौर पर सामने आयी है। आईपीएल 2026 के लीग स्तर में 70 रोमांचक मुकाबलों के बाद कुल 25,846 रन बने। इन मैचों के बाद चार टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंची हैं। क्वालीफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच 26 मई को जबकि एलिमिनेटर सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच 27 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इस पूरे लीग चरण के दौरान बल्लेबाज हावी रहे। सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीम सनराइजर्स हैदराबाद रही। उसने लीग स्टेज में कुल 2,854 रन बनये। आंकड़ों पर गौर करें तो 10 में से 9 टीमें 2500 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रहीं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स सबसे कम 2,309 रन बनाकर इस सूची में सबसे नीचे रही। सनराइजर्स हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स 2,711 रनों के साथ दूसरे, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2,642 रनों के साथ तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 2,619 रनों के साथ चौथे, दिल्ली कैपिटल्स 2,559 रनों के साथ पांचवें, गुजरात टाइटंस 2,558 रनों के साथ छठे, मुंबई इंडियंस 2,553 रनों के साथ सातवें, चेन्नई सुपर किंग्स 2,553 रनों के साथ आठवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 2,511 रनों के साथ नौवें पायदान पर रही। इस सत्र में कुल 16,790 रन चौके और छक्के से बने । लीग स्टेज में कुल 2,174 चौके और रिकॉर्ड तोड़ 1,349 छक्के लगे, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार छक्कों का आंकड़ा 1300 के पार ले गया है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने सर्वाधिक 53 छक्के लगाये, वहीं गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 62 चौकों के साथ सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गेंदबाजी और फील्डिंग के आंकड़ों पर नज़र डालें तो लीग स्टेज के दौरान कुल 15,731 गेंदें फेंकी गईं, जिसमें 759 वाइड और 58 नो बॉल भी शामिल थीं।

बीमारी से जूझते कांबली का दिखा अटूट क्रिकेट प्रेम, मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेट विनोद गंभीर रुप से बीमार होने के बाद भी मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। गंभीर इस दौरान बिना सहारे के ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। इसके बाद भी उनका स्टेडियम पहुंचना क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को दिखता है। इस एक वीडिया भी सोशल मीडिया पर छाया है। इसमें 54 साल के कांबली दो लोगों का सहारा लिए हुए धीरे-धीरे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कमजोर दिख रहे कांबली के चेहरे पर हालांकि क्रिकेट देखने की खुशी इस दौरान नजर आयी। कांबली के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चिंताएं बनी हुई हैं। उनकी बीमारी और अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने की खबरें आती रही हैं। इस वीडियो से संकेत मिलते हैं कि वह अब धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। कांबली काफी समय बाद सार्वजनिक तौर पर नजर आए हैं।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे। सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों। बुमराह ने इस सीजन में कुल 49 ओवर गेंदबाजी की थी। बुमराह टी20 विश्व कप 2024 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच जैसे अवार्ड विजेता रहे हैं। ऐसे विश्व-स्तरीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनका उनके प्रदर्शन में गिरावट निराशा की बात है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे के कारणों को मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, बुमराह के खराब फॉर्म का एक बड़ा कारण उनकी फिटनेस संबंधी दिक्कतें रही हैं। जयवर्धने ने बताया कि टी20 विश्व कप से वापस आने के बाद से ही बुमराह थोड़ी परेशानी से जूझ रहे थे, जिससे विश्व कप के दौरान भी उन्होंने खेला था। इसका सीधा असर टूर्नामेंट के दौरान उनकी लया और तेजी दोनों पर पड़ा, जिससे उनकी रफ्तार में कमी

आई। कोच ने यह भी जोड़ा कि इस सत्र में विपक्षी टीमों ने बुमराह के एक अलग रणनीति बनायी थी। मुंबई इंडियंस के दूसरे गेंदबाज दूसरी छोर से दबाव बनाने में सफल नहीं हो पाए, जिसका फायदा उठाते हुए बल्लेबाजों ने बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लिया जिसमें वे सफल रहे। गया है जिसे वे और उनके प्रशंसक जल्द से जल्द भुलाना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। सूर्यकुमार के अनुसार ऐसे लोगों को क्रिकेट की समझ नहीं है। सूर्या ने कहा कि उनकी कलाई में कोई चोट नहीं लगी है और उससे जुड़ी जो भी खबरें आ रही हैं। वह केवल अफवाह भर हैं। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे उनकी फिटनेस साबित होती है। आईपीएल के इस सत्र में सूर्यकुमार अधिक रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में दिख रही है। ऐसे में अपनी कथित चोट को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, सबसे पहले, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जो लोग कलाई की चोट की बात कर रहे हैं, वे या तो पक्के फिजियो हैं या ऐसे लोग हैं जिन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, अगर मुझे सच में कलाई की चोट या ऐसी कोई समस्या होती, तो मैं अभ्यास और मैचों में वो शॉट नहीं खेल पाता, खासकर मेरे फ्लिक शॉट, जो पूरी तरह से कलाई और हाथ-आंख के तालमेल पर आधारित होते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सूर्या ने कहा, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि यह मेरे नियंत्रण में नहीं है। ये सभी अनियंत्रित कारक हैं और मैं इन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। आईपीएल के खराब प्रदर्शन को लेकर भी सूर्या ने कहा कि उन्होंने काम के तरीके में में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने बताया, मैंने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की है। मैंने साल की शुरुआत में भी कड़ी मेहनत की थी। न्यूजीलैंड सीरीज में, मैंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। फिर मेरा वर्ल्ड कप अच्छा रहा, कम से कम मेरे हिसाब से तो ऐसा ही था। फिर आईपीएल आया। मैंने आईपीएल में रन नहीं बनाए, लेकिन मैंने कभी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। आखिरकार, प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं होती। जो आपके नियंत्रण में है, वह है कड़ी मेहनत। इसलिए मैं कड़ी मेहनत करता रहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं।

मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कर्नाटक के पूर्व रणजी क्रिकेटर अक्षय की मौत

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में एक मैच के दौरान ही पूर्व रणजी क्रिकेटर एसएल अक्षय को दिल का मौत का दौरा पड़ा। अक्षय को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। 39 साल के अक्षय की अचानक ही इस प्रकार हुई मौत होने से क्रिकेट जगह में दुख की लहर फैल गयी है। यह दुखद घटना बेंगलुरु के केआर पुरम में एक थर्ड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। एक रिपोर्टों के अनुसार अक्षय मैच में दोपहर के समय अक्षय फील्डिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। बिना किसी देरी के उन्हें तत्काल ही पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय ने अपने करियर में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में खेला था।

आईपीएल प्लेऑफ के पहले क्वालिफायर में उतरने जा रहीं आरसीबी और टाइटंस को हारने पर भी मिलेगा दूसरा अवसर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्तर के रोमांचक मुकाबले खत्म होने के साथ ही अब प्लेऑफ मुकाबले शुरु होंगे। इसमें शीर्ष चार टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने जगह बनायी है। अंक तालिका में पहले दो स्थान हासिल करने वाली आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच पहला क्वालिफायर मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर मिलेगा। आईपीएल के प्लेऑफ नियमों के अनुसार, लीग स्टेज में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को एक विशेष लाभ मिलता है। वे सीधे पहले क्वालिफायर में भिड़ती हैं, और इस मुकाबले में हारने के बाद भी बाहर नहीं होती हैं। पहले क्वालिफायर में पराजित होने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में खेलने का अवसर मिलता है, जहां उसका सामना एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होता है। इस तरह, आरसीबी और जीटी, दोनों में से जो भी टीम पहले क्वालिफायर में हारती है, उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए एक और अवसर मिलेगा। इससे मुकाबले का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

इस सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन असाधारण रहा है। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में, रजत पाटीदार की कुशल अगुवाई में टीम ने लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की है। लीग स्टेज के 14 मुकाबलों में से 9 में जीत दर्ज कर और केवल 5 में हार का सामना कर, आरसीबी ने 18 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजी में, पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 14 मैचों में 163 के शानदार स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। देवदत्त पडिक्कल ने भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने खुद भी मध्यक्रम में महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। टिम डेविड ने निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है, जिससे टीम को कई अहम जीत मिली हैं। गेंदबाजी

की बात करें तो भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन अपनी स्विंग और नियंत्रण से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है, और उन्हें जोश हेजलवुड का भी साथ मिला। वहीं दूसरी ओर, युवा शुभमन गिल के नेतृत्व में गुजरात टाइटंस ने भी इस सीजन में धमाकेदार खेला है।

राहुल ने गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, कई अन्य उपलब्धियां भी अपने नाम कीं

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अपनी इस पारी में राहुल ने 5 चौके और 4 छक्के लगाये। इसी के साथ ही राहुल ने आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में गेल का एक रिकार्ड तोड़ दिया। राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी में एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन में राहुल ने 31 छक्के लगाये हैं। इससे पहले, राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2018 में (32 छक्के) और 2021 में (30 छक्के), तथा लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए 2022 में (30 छक्के) लगाये थे। इससे वह आईपीएल इतिहास में तीन टीमों से इतने अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इस रिकॉर्ड को तोड़कर राहुल ने क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह कारनामा 2-2 आईपीएल टीमों के लिए किया था। क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए चार बार (2011, 2012, 2013, 2015) और पंजाब किंग्स के लिए एक बार (2019) एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाए थे। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स (2014) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2023) के लिए 1-1 बार यह रिकार्ड बनाया था। सिर्फ छक्कों के रिकॉर्ड तक ही केएल राहुल का कमाल सीमित नहीं रहा।